License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

उत्पत्ति 1:1

आदि में परमेश्वर ने क्या सृष्टि की?

परमेश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:2

आदि में परमेश्वर का आत्मा क्या कर रहा था?

परमेश्वर का आत्मा जल के ऊपर मण्डराता था।

उत्पत्ति 1:3

परमेश्वर ने उजियाले की सृष्टि कैसे की?

परमेश्वर ने कहा, "उजियाला हो।"

उत्पत्ति 1:7–8

दूसरे दिन परमेश्वर ने क्या सृष्टि की?

परमेश्वर ने एक अन्तर करके उसके नीचे के जल और उसके ऊपर के जल को अलग-अलग किया।

उत्पत्ति 1:10

परमेश्वर ने सूखी भूमि तथा जो जल इकट्ठा हुआ था उसे क्या कहा?

परमेश्वर ने सूखी भूमि को "पृथ्वी" कहा, तथा जो जल इकट्ठा हुआ था उसे "समुद्र" कहा।

उत्पत्ति 1:11–12

तीसरे दिन परमेश्वर ने कौन-कौन सी जीवित वस्तुएँ बनाई थीं?

परमेश्वर ने तीसरे दिन छोटे-छोटे पेड़, फलदाई वृक्ष और वनस्पतियाँ बनाईं।

उत्पत्ति 1:14

आकाश में ज्योतियों का उद्देश्य क्या है?

वे दिन को रात से अलग करने के लिए हैं, और वे चिन्हों, और नियत समयों, और दिनों, और वर्षों के रूप में कार्य करते हैं।

उत्पत्ति 1:16

परमेश्वर ने चौथे दिन क्या सृष्टि की?

परमेश्वर ने दो बड़ी ज्योतियों और तारागणों की रचना की।

उत्पत्ति 1:21

परमेश्वर ने पांचवें दिन क्या सृष्टि की?

परमेश्वर ने जल-जन्तुओं और आकाश के पक्षियों की सृष्टि की।

उत्पत्ति 1:22

परमेश्वर ने जल-जन्तुओं और पक्षियों को क्या आदेश दिया?

लो-फलो, और भर जाओ।

उत्पत्ति 1:26

परमेश्वर ने अपने स्वरूप में क्या रचा?

परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया।

उत्पत्ति 1:26 (#2)

मनुष्य को किन चीजों पर अधिकार करने के लिए बनाया गया था?

परमेश्वर ने मनुष्य को समुद्र की मछलियों, और आकाश के पक्षियों, और घरेलू पशुओं, और सारी पृथ्वी पर, और सब रेंगनेवाले जन्तुओं पर जो पृथ्वी पर रेंगते हैं, अधिकार करने के लिए बनाया।

उत्पत्ति 1:27

परमेश्वर ने मनुष्य को जैसे रचा, इसमें क्या अंतर था?

परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप में रचा।

उत्पत्ति 1:28

परमेश्वर ने मनुष्य को कौन सा आदेश दिया था?

फूलो-फलो, और पृथ्वी में भर जाओ, और उसको अपने वश में कर लो।

उत्पत्ति 1:29

परमेश्वर ने मनुष्य को खाने के लिए क्या प्रदान किया?

परमेश्वर ने उन्हें हर बीजवाले छोटे-छोटे पेड़ और हर वृक्ष जिसमे बीजवाले फल होते हैं, दिए।

उत्पत्ति 1:31

जब परमेश्वर ने सब कुछ देखा जो उन्होंने बनाया था, तो उन्होंने इसके बारे में क्या विचार किया?

परमेश्वर ने सोचा कि वह बहुत ही अच्छा है।

उत्पत्ति 2:2–3

सातवें दिन परमेश्वर ने क्या किया?

उन्होंने अपने सभी कार्यों से विश्राम किया, और उस दिन को आशीष दी और पवित्र ठहराया।

उत्पत्ति 2:6

इससे पहले कि यहोवा ने वर्षा कराई, पृथ्वी की सिंचाई कैसे हुई थी?

कुहरा पृथ्वी से उठता था।

उत्पत्ति 2:7

यहोवा ने मनुष्य को कैसे रचा?

यहोवा ने भूमि की मिट्टी से मनुष्य को रचा और उसमें जीवन का श्वास फूँक दिया।

उत्पत्ति 2:8

यहोवा ने सबसे पहले मनुष्य को कहाँ रखा?

अदन की वाटिका में।

उत्पत्ति 2:9

वाटिका के बीच में कौन-कौन से दो वृक्ष थे?

जीवन का वृक्ष और भले और बुरे के ज्ञान का वृक्ष।

उत्पत्ति 2:15

वाटिका में मनुष्य को क्या करना था?

उन्हें काम करना था और वाटिका की रखवाली करनी थी।

उत्पत्ति 2:16–17

यहोवा ने मनुष्य को खाने के सम्बन्ध में क्या निर्देश दिए?

तू वाटिका के किसी भी वृक्षों का फल खा सकता है; पर भले या बुरे के ज्ञान का जो वृक्ष है, उसका फल तू कभी न खाना।

उत्पत्ति 2:17

यहोवा ने क्या कहा कि यदि मनुष्य ने इस आदेश का उल्लंघन किया तो क्या होगा?

जिस दिन मनुष्य ने आदेश का उल्लंघन किया, वह अवश्य मर जाएगा।

उत्पत्ति 2:18

यहोवा ने क्या कहा कि अच्छा नहीं था?

उन्होंने कहा कि यह अच्छा नहीं था कि मनुष्य अकेला है।

उत्पत्ति 2:19

यहोवा ने मनुष्य से हर जीवित प्राणी के साथ क्या करने के लिए कहा?

मनुष्य ने प्रत्येक जीवित प्राणी को एक नाम दिया।

उत्पत्ति 2:20

सभी जीवित प्राणियों में क्या नहीं पाया जाता है?

मनुष्य के लिए कोई ऐसा सहायक न मिला जो उससे मेल खा सके।

उत्पत्ति 2:22

यहोवा ने स्त्री की रचना कैसे की?

यहोवा ने आदम को गहरी नींद में डाल दिया और उसकी एक पसली लेकर उससे स्त्री की रचना की।

उत्पत्ति 2:23

उस पुरुष ने उन्हें "नारी" क्यों कहा?

क्योंकि उसे नर से लिया गया है।

उत्पत्ति 2:24

एक पुरुष और स्त्री एक तन कैसे बनते हैं?

पुरुष अपनी पत्नी के रूप में स्त्री से सम्बन्धित होता है।

उत्पत्ति 2:25

क्या पुरुष और उनकी पत्नी नग्न होने पर लज्जित थे?

नहीं।

उत्पत्ति 3:1

सर्प ने महिला से पहला प्रश्न क्या पूछा था?

सर्प ने स्त्री से पूछा, “क्या सच है, कि परमेश्वर ने कहा, ‘तुम इस वाटिका के किसी वृक्ष का फल न खाना’?”

उत्पत्ति 3:4

जब स्त्री ने कहा कि परमेश्वर ने उन्हें बताया कि यदि वे वाटिका के बीच में पेड़ से खाएंगे तो वे मर जाएंगे, तो सर्प ने क्या कहा?

सर्प ने कहा, "तुम निश्चय न मरोगे।"

उत्पत्ति 3:5

सर्प ने क्या कहा कि यदि पुरुष और महिला फल खाएँगे तो क्या होगा?

सर्प ने कहा कि वे परमेश्वर के समान हो जाएँगे, भले और बुरे का ज्ञान रखने वाले।

उत्पत्ति 3:6

स्त्री को वृक्ष के फल की ओर क्या आकर्षित किया?

उन्होंने देखा कि यह खाने में अच्छा था, देखने में मनभाऊ था, और बुद्धि देने के लिये चाहने योग्य भी था।

उत्पत्ति 3:6 (#2)

फल किसने खाया था?

स्त्री ने खाया, और कुछ अपने पति को भी दिया, और उसने भी खाया।

उत्पत्ति 3:7

जब उन्होंने फल खाया, तो उनके साथ क्या घटित हुआ?

जब उन्होंने खाया, तो उनकी आँखें खुल गईं और उन्हें यह मालूम हुआ कि वे नंगे हैं।

उत्पत्ति 3:8

जब परमेश्वर वाटिका में आए, तो पुरुष और स्त्री ने क्या किया?

वे परमेश्वर से छिप गए थे।

उत्पत्ति 3:10

जब परमेश्वर वाटिका में आए, तो पुरुष ने स्वयं को उनसे क्यों छिपाया?

पुरुष ने परमेश्वर से छिपने का प्रयास किया क्योंकि वे नग्न थे और इसलिए भयभीत हो गए थे।

उत्पत्ति 3:12

उस पुरुष ने कहा कि उसे फल देने के लिए कौन जिम्मेदार था?

पुरुष ने कहा कि महिला जिम्मेदार थीं।

उत्पत्ति 3:13

उस स्त्री ने कहा कि उसे फल देने के लिए कौन जिम्मेदार था?

स्त्री ने कहा कि सर्प ने उन्हें बहका दिया।

उत्पत्ति 3:15

परमेश्वर ने कहा कि वह सर्प और स्त्री के बीच किस प्रकार का सम्बन्ध स्थापित करेंगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे उनके बीच बैर उत्पन्न करेंगे।

उत्पत्ति 3:16

परमेश्वर ने स्त्री को प्रसव के सम्बन्ध में क्या श्राप दिया?

परमेश्वर ने स्त्री की पीड़ा और गर्भवती होने के दुःख को बहुत बढ़ा दिया।

उत्पत्ति 3:17

परमेश्वर ने पुरुष को उसके काम के सम्बन्ध में क्या श्राप दिया?

परमेश्वर ने भूमि को श्रापित किया ताकि पुरुष केवल दुःख के साथ ही उससे भोजन प्राप्त कर सकें।

उत्पत्ति 3:20

पुरुष ने स्त्री को क्या नाम दिया, और क्यों?

पुरुष ने स्त्री को हव्वा कहा, क्योंकि जितने मनुष्य जीवित हैं उन सब की वही मूलमाता थीं।

उत्पत्ति 3:21

परमेश्वर ने आदम और हव्वा के लिए क्या बनाया, और क्यों?

परमेश्वर ने उन्हें वस्त्र पहनाने के लिए चमड़े के वस्त्र बनाए।

उत्पत्ति 3:22

परमेश्वर ने क्यों कहा कि अब आदम को जीवन के वृक्ष का फल नहीं खाना चाहिए?

परमेश्वर ने कहा कि चूंकि आदम अब भले और बुरे का ज्ञान प्राप्त कर चुका था, उसे जीवन के वृक्ष का फल नहीं खाना चाहिए, क्योंकि तब वह सदा के लिए जीवित रहेगा।

उत्पत्ति 3:24

परमेश्वर ने आदम को जीवन के पेड़ से खाने से रोकने के लिए क्या किया?

परमेश्वर ने पुरुष को वाटिका से बाहर निकाल दिया और वहाँ करूबों को जीवन के पेड़ के मार्ग की रक्षा करने के लिए नियुक्त किया।

उत्पत्ति 4:2

कैन और हाबिल ने कौन-कौन से कार्य किए?

कैन भूमि की खेती करनेवाला काम करते थे, और हाबिल एक चरवाहा थे।

उत्पत्ति 4:3

कैन यहोवा के लिए क्या भेंट लेकर आए?

कैन भूमि की उपज में से कुछ भेंट ले आया।

उत्पत्ति 4:4

हाबिल यहोवा के लिए कौन-सी भेंट लाए?

हाबिल अपनी भेड़-बकरियों के पहलौठे और कुछ चर्बी लेकर आए।

उत्पत्ति 4:4–5

यहोवा ने कैन और हाबिल की भेंटों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया दी?

यहोवा ने हाबिल की भेंट स्वीकार की, लेकिन कैन की भेंट को स्वीकार नहीं किया।

उत्पत्ति 4:5

कैन ने क्या प्रतिक्रिया दी?

कैन अत्यंत क्रोधित था, और उसका चेहरा उदास दिखाई दे रहा था।

उत्पत्ति 4:7

यहोवा ने कैन से क्या कहा कि उसे स्वीकार किए जाने के लिए क्या करना होगा?

यहोवा ने कैन से कहा कि यदि वह भला करे, तो वह स्वीकार किया जाएगा।

उत्पत्ति 4:8

बाद में, मैदान में कैन और हाबिल के बीच क्या हुआ?

कैन ने अपने भाई हाबिल पर चढ़कर उसकी हत्या कर दी।

उत्पत्ति 4:9

जब यहोवा ने कैन से पूछा कि उनके भाई कहाँ हैं, तो कैन ने क्या उत्तर दिया?

कैन ने कहा, "मालूम नहीं; क्या मैं अपने भाई का रखवाला हूँ?"

उत्पत्ति 4:12

कैन पर परमेश्वर का श्राप क्या था?

परमेश्वर का श्राप कैन पर यह था कि भूमि की पूरी उपज उसे न मिलेगी, और वह एक भटकने वाला और भगोड़ा बनेगा।

उत्पत्ति 4:15

यहोवा ने यह सुनिश्चित करने के लिए क्या किया कि कोई कैन को न मारे?

यहोवा ने कैन के लिये एक चिन्ह ठहराया।

उत्पत्ति 4:16

कैन कहाँ जाकर रहने लगे?

कैन अदन के पूर्व में नोद नामक देश में निवास करता था।

उत्पत्ति 4:19

कैन के वंशज लेमेक की कितनी पत्नियाँ थीं?

लेमेक की दो पत्नियाँ थीं।

उत्पत्ति 4:23

लेमेक ने अपनी पत्नियों से क्या कहा कि उन्होंने क्या किया है?

लेमेक ने अपनी पत्नियों से कहा कि उन्होंने एक पुरुष का घात किया है।

उत्पत्ति 4:25

आदम और हव्वा के एक अन्य पुत्र का नाम क्या था?

आदम और हव्वा के एक अन्य पुत्र का नाम शेत था।

उत्पत्ति 4:26

शेत के पुत्र एनोश के दिनों में लोग क्या करने लगे?

लोग यहोवा से प्रार्थना करने लगे।

उत्पत्ति 5:1

उत्पत्ति का अध्याय पाँच किसका अभिलेख है?

उत्पत्ति का अध्याय पाँच आदम की वंशावली का एक विवरण है।

उत्पत्ति 5:1 (#2)

मनुष्य जाति किसके स्वरुप में रची गई थी?

मनुष्य जाति परमेश्वर की प्रतिमा में बनाई गई थी।

उत्पत्ति 5:2

परमेश्वर ने मानव जाति के कौन-कौन से लिंग बनाए?

परमेश्वर ने मानव जाति को नर और नारी के रूप में रचा।

उत्पत्ति 5:5

आदम कितने समय तक जीवित रहे थे?

आदम 930 वर्षों तक जीवित रहे।

उत्पत्ति 5:8

शेत कितने समय तक जीवित रहे थे?

शेत 912 वर्षों तक जीवित रहे।

उत्पत्ति 5:14

केनान कितने समय तक जीवित रहे थे?

केनान 910 वर्ष तक जीवित रहे।

उत्पत्ति 5:20

येरेद कितने समय तक जीवित रहे थे?

येरेद नौ सौ बासठ वर्षों तक जीवित रहे।

उत्पत्ति 5:24

हनोक का परमेश्वर के साथ कैसा सम्बन्ध था, और उनके साथ क्या हुआ?

हनोक परमेश्वर के साथ चलते रहे, और परमेश्वर ने उन्हें उठा लिया।

उत्पत्ति 5:29

लेमेक ने अपने पुत्र नूह के बारे में क्या कहा?

लेमेक ने कहा कि नूह मानवजाति को उस काम और परिश्रम से शान्ति देंगे जो यहोवा द्वारा श्रापित भूमि के कारण हुआ था।

उत्पत्ति 5:32

नूह के पुत्र कौन थे?

नूह के पुत्र शेम, हाम और येपेत थे।

उत्पत्ति 6:2

जब मानव जाति पृथ्वी पर बढ़ी, तब परमेश्वर के पुत्रों ने क्या किया?

परमेश्वर के पुत्रों ने मनुष्य की पुत्रियों में से अपने लिए पत्नियाँ चुनीं।

उत्पत्ति 6:3

अब परमेश्वर ने मानव जाति के जीवन की अवधि के बारे में क्या कहा?

परमेश्वर ने कहा कि मनुष्य एक सौ बीस वर्ष तक जीवित रहेंगे।

उत्पत्ति 6:4

प्राचीन काल के वे शूरवीर पुरुष कौन थे, जिनकी कीर्ति प्रचलित थी?

प्राचीन काल के शूरवीर पुरुष दानव थे, जो परमेश्वर के पुत्रों और मनुष्यों की पुत्रियों के विवाह से उत्पन्न हुए थे।

उत्पत्ति 6:5

उन दिनों यहोवा ने मानव जाति के हृदयों में क्या देखा?

यहोवा ने देखा कि मानवजाति की बुराई अत्यधिक बढ़ गई थी, और उनके सभी विचार दुष्ट थे।

उत्पत्ति 6:7

यहोवा ने मानव जाति के साथ क्या करने का निर्णय किया?

यहोवा ने पृथ्वी से मानव जाति को समाप्त करने का निर्णय लिया।

उत्पत्ति 6:8

परन्तु यहोवा के अनुग्रह की दृष्टि किस पर बनी रही?

यहोवा के अनुग्रह की दृष्टि नूह पर बनी रही।

उत्पत्ति 6:9

नूह कैसे व्यक्ति थे?

नूह एक धर्मी पुरुष थे, खरे थे, और परमेश्वर के साथ चलते थे।

उत्पत्ति 6:14

परमेश्वर ने मानवजाति को नष्ट करने से पहले नूह से क्या करने को कहा?

परमेश्वर ने नूह से एक जहाज बनाने के लिए कहा।

उत्पत्ति 6:17

परमेश्वर ने क्या कहा कि वह कैसे उन सभी प्राणियों को नाश करने जा रहा है जिनमें जीवन का श्वास है?

परमेश्वर ने कहा कि वे पृथ्वी पर जल-प्रलय लाने वाले हैं।

उत्पत्ति 6:18

परमेश्वर ने अपनी वाचा किनके साथ बाँधी?

परमेश्वर ने नूह के साथ अपनी वाचा बाँधी।

उत्पत्ति 6:18 (#2)

परमेश्वर ने नूह को जहाज पर किसे लाने के लिए कहा था?

परमेश्वर ने नूह से कहा कि वे अपनी पत्नी, अपने तीन बेटों और अपने बेटों की पत्नियों को साथ लाएँ।

उत्पत्ति 6:19

जीवित रखने के लिए जहाज पर कौन से पशु लाये जाने थे?

प्रत्येक प्रकार के जीवित प्राणियों, नर और मादा, को नाव पर लाया जाना था।

उत्पत्ति 6:22

नूह ने परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन किस प्रकार किया?

नूह ने वह सब किया जो परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी।

उत्पत्ति 7:2

जहाज पर किस प्रकार के पशुओं के सात नर और मादाओं को ले जाया जाना था?

प्रत्येक शुद्ध पशु और पक्षी के सात-सात जोड़े, नर और मादा, नाव पर ले जाये जाने थे।

उत्पत्ति 7:4

परमेश्वर ने कब तक कहा कि पृथ्वी पर जल बरसता रहेगा?

परमेश्वर ने कहा कि जल चालीस दिन और चालीस रात तक बरसता रहेगा।

उत्पत्ति 7:6

जब जलप्रलय पृथ्वी पर आया तब नूह की आयु कितनी थी?

जब पृथ्वी पर जलप्रलय पृथ्वी पर आया, तब नूह की आयु छह सौ वर्ष थी।

उत्पत्ति 7:9

नूह पशुओं को नाव में कैसे लाया?

पशु जोड़े में नूह के पास आए और जहाज में चले गए।

उत्पत्ति 7:11

जल प्रलय का जल किन दो स्रोतों से आया?

बड़े गहरे समुद्र के सब सोतों से और आकाश से आया।

उत्पत्ति 7:16

एक बार जब सभी लोग और पशु जहाज में आ गए, तो द्वार किसने बन्द कर दिया?

यहोवा ने द्वार बन्द कर दिया।

उत्पत्ति 7:20

पृथ्वी पर पानी कितना ऊपर बढ़ गया?

पानी पहाड़ों की चोटियों से पन्द्रह हाथ ऊपर तक बढ़ गया था।

उत्पत्ति 7:21

जल प्रलय के कारण पृथ्वी पर कौन मर गए?

पृथ्वी पर सब चलनेवाले प्राणी और सब मनुष्य मर गए।

उत्पत्ति 7:23

पृथ्वी पर जीवित रहने वाले एकमात्र लोग कौन थे?

केवल नूह और उनके साथ जहाज में रहने वाले लोग ही जीवित रह गए थे।

उत्पत्ति 8:1–2

परमेश्वर ने जल को कैसे घटाया?

परमेश्वर ने एक पवन बहाई, समुद्र के सोते और आकाश के झरोखे बंद कर दिए, और वर्षा थम गई।

उत्पत्ति 8:4

जहाज जमीन पर कहाँ आकर ठहरा?

जहाज अरारात नामक पहाड़ पर आकर ठहरा।

उत्पत्ति 8:9

जब पहली बार नूह ने जहाज़ से कबूतरी भेजी तो क्या हुआ?

पहली बार, कबूतरी को अपने पैर टेकने के लिये कोई आधार न मिला, और वह नूह के पास जहाज में लौट आईं।

उत्पत्ति 8:11

जब नूह ने दूसरी बार कबूतरी को जहाज से बाहर भेजा, तब क्या हुआ?

दूसरी बार, कबूतरी ताज़ा तोड़े हुए जैतून के पत्ते के साथ लौटी।

उत्पत्ति 8:12

जब नूह ने तीसरी बार कबूतरी को जहाज से बाहर भेजा, तब क्या हुआ?

तीसरी बार, कबूतरी नूह के पास लौटकर नहीं आई।

उत्पत्ति 8:13

जब नूह ने जहाज की छत खोलकर बाहर देखा, तो उन्होंने क्या देखा?

नूह ने देखा कि धरती सूख गई थी।

उत्पत्ति 8:17

जब सभी जन्तु जहाज से बाहर निकले, तब परमेश्वर ने उनसे क्या करने के लिए कहा?

परमेश्वर चाहते थे कि सभी जीवित प्राणी बहुत बच्चे उत्पन्न करें, फूलें-फलें, और पृथ्वी पर फैल जाएँ।

उत्पत्ति 8:20

जब नूह ने जहाज छोड़ा, तब उन्होंने क्या किया?

नूह ने यहोवा के लिए एक वेदी बनाई और उस वेदी पर होमबलि चढाई।

उत्पत्ति 8:21

इस समय परमेश्वर ने मानवजाति से कौन-कौन से दो वादे किए?

परमेश्वर ने वादा किया कि वे फिर कभी भूमि को श्राप नहीं देंगे, और फिर कभी किसी भी जीवित प्राणी को नहीं मारेंगे।

उत्पत्ति 8:21 (#2)

परमेश्वर ने बचपन से मनुष्य की प्रवृत्ति क्या बताई?

परमेश्वर ने कहा कि मनुष्य के मन में बचपन से जो कुछ उत्पन्न होता है वह बुरा ही होता है।

उत्पत्ति 9:1

परमेश्वर ने नूह और उनके पुत्रों से क्या कहा कि वे जहाज छोड़ने के बाद करें?

परमेश्वर ने नूह और उनके पुत्रों से कहा कि वे फूले-फले और बढ़ें और पृथ्वी में भर जाएँ।

उत्पत्ति 9:3

परमेश्वर ने नूह और उनके पुत्रों को भोजन के रूप में क्या प्रदान किया?

परमेश्वर ने नूह और उनके पुत्रों को हरे-हरे छोटे पेड़ दिए और सब चलनेवाले जन्तु को भोजन के रूप में प्रदान किया।

उत्पत्ति 9:4

परमेश्वर ने माँस कैसे न खाने का आदेश दिया?

परमेश्वर ने आज्ञा दी कि माँस को लहू समेत न खाया जाए।

उत्पत्ति 9:4 (#2)

परमेश्वर ने क्या कहा कि लहू में क्या होता है?

परमेश्वर ने कहा कि लहू में जीवन है।

उत्पत्ति 9:5–6

परमेश्वर ने मनुष्य का लहू बहाने की सजा क्या निर्धारित की?

परमेश्वर ने घोषणा की कि जो कोई भी किसी पुरुष का लहू बहाएगा, उसका लहू भी बहाया जाएगा।

उत्पत्ति 9:6

परमेश्वर ने पुरुष को किसके स्वरूप के अनुसार बनाया?

परमेश्वर ने मनुष्य को अपने ही स्वरूप के अनुसार बनाया।

उत्पत्ति 9:9–11

परमेश्वर ने पृथ्वी पर निवास करने वाले प्रत्येक जीवजन्तु के साथ कौन-सी वाचा बाँधी?

परमेश्वर ने एक वाचा की प्रतिज्ञा की कि फिर कभी भी समस्त जीवों को जल-प्रलय से नाश नहीं किया जाएगा।

उत्पत्ति 9:13

परमेश्वर ने पृथ्वी के साथ की गई वाचा का कौन-सा चिन्ह दिया?

परमेश्वर ने अपने धनुष को बादलों में पृथ्वी के साथ की गई अपनी वाचा के चिन्ह के रूप में स्थापित किया।

उत्पत्ति 9:15

परमेश्वर ने पृथ्वी पर रहने वाली हर प्राणियों के साथ क्या प्रतिज्ञा की?

परमेश्वर ने एक वाचा की कि फिर कभी भी सभी जीवों को जल-प्रलय से नष्ट नहीं किया जाएगा।

उत्पत्ति 9:16–17

परमेश्वर ने पृथ्वी के साथ की गई वाचा का कौन-सा चिन्ह दिया?

परमेश्वर ने अपने धनुष को बादलों में रखा ताकि यह पृथ्वी के साथ की गई वाचा का चिन्ह बने।

उत्पत्ति 9:18

नूह के तीन पुत्रों के नाम क्या थे?

नूह के तीन पुत्रों के नाम शेम, हाम और येपेत थे।

उत्पत्ति 9:20–21

नूह ने दाख की बारी लगाने के बाद क्या किया?

उन्होंने दाख की बारी लगाने के बाद कुछ दाखमधु पीकर मतवाला हुआ।

उत्पत्ति 9:23

शेम और येपेत ने अपने पिता के नंगे तन को कैसे ढका?

शेम और येपेत ने एक कपड़ा लेकर पीछे की ओर चलते हुए, अपने पिता के नंगे तन को ढकने के लिए विपरीत दिशा में मुड़कर ऐसा किया।

उत्पत्ति 9:25

नूह ने हाम को क्या श्राप दिया था?

नूह ने हाम को शाप दिया और कहा, "कनान श्रापित हो: वह अपने भाई-बन्धुओं के दासों का दास हो।"

उत्पत्ति 9:26–27

नूह ने किसे आशीष दी?

नूह ने शेम और येपेत दोनों को आशीष दी।

उत्पत्ति 10:5

जलप्रलय के बाद, नूह की संतानें अंततः कुलों में पृथ्वी पर फैल गईं, और जब वे फैल गईं, तो प्रत्येक कुल का अपना क्या था?

जब कुल फैल गए, तो प्रत्येक कुल की अपनी-अपनी भाषा थी।

उत्पत्ति 10:9

निम्रोद, हाम के वंशज, किस बात के लिए प्रसिद्ध थे?

निम्रोद यहोवा की दृष्टि में पराक्रमी शिकार खेलनेवाले के रूप में प्रसिद्ध थे।

उत्पत्ति 10:10

शिनार देश में निम्रोद के प्रमुख नगरों में से पहला कौन सा था?

निम्रोद के प्रमुख नगरों में से पहला बाबेल था।

उत्पत्ति 10:11

शिनार देश के अलावा, निम्रोद ने और कौन से क्षेत्र को नगरों के साथ विकसित किया?

निम्रोद ने अश्शूर में भी नगरों का निर्माण किया।

उत्पत्ति 10:15

कनान के पहले पुत्र का नाम क्या था?

कनान के पहले पुत्र सीदोन थे।

उत्पत्ति 10:20

जल प्रलय के बाद, नूह की संतानों ने अंततः पृथ्वी पर कुलों में विस्तार किया, और जब वे फैले, तो प्रत्येक कुल का अपना क्या था?

जब कुल अंततः फैल गए, तो प्रत्येक कुल की अपनी भाषा और अपने देश हो गए थे।

उत्पत्ति 10:25

शेम के वंशज पेलेग के दिनों में क्या घटना घटी?

पेलेग के समय में, पृथ्वी बँट गई।

उत्पत्ति 10:31

जलप्रलय के बाद, नूह की संतानें अंततः कुलों में पृथ्वी पर फैल गईं, और जब वे फैल गईं, तो प्रत्येक कुल का अपना क्या था?

जब कुल अंततः फैल गए, तो प्रत्येक कुल की अपनी भाषा और अपने देश हो गए थे।

उत्पत्ति 10:32

जलप्रलय के बाद पृथ्वी पर फैलने वाली जातियाँ कहाँ से आईं?

जातियाँ नूह के पुत्रों की संतानों से उत्पन्न हुए।

उत्पत्ति 11:1

जल प्रलय के तुरन्त बाद, पूरी पृथ्वी पर कितनी भाषाएँ थीं?

बाढ़ के तुरन्त बाद, पूरी पृथ्वी पर एक ही भाषा बोली जाती थी।

उत्पत्ति 11:2

जो लोग पूर्व से प्रवासित हुए, वे कहाँ बसे थे?

लोग शिनार देश में एक मैदान पर आकर बस गए।

उत्पत्ति 11:4

जैसा कि परमेश्वर ने आज्ञा दी थी, लोगों ने पूरी पृथ्वी पर फैलने के बजाय क्या करने का निर्णय लिया?

परमेश्वर ने जैसा कि परमेश्वर ने पृथ्वी भर में फैलने की आज्ञा दी थी, उसके विपरीत लोगों ने एक नगर और एक मीनार बनाने का निर्णय लिया।

उत्पत्ति 11:4 (#2)

लोग अपने लिए क्या बनाना चाहते थे?

लोग अपने लिए एक प्रतिष्ठित नाम बनाना चाहते थे।

उत्पत्ति 11:7

यहोवा ने नीचे आकर लोगों के साथ क्या किया था?

यहोवा नीचे आए और लोगों की भाषा में बड़ी गड़बड़ी डाली।

उत्पत्ति 11:7 (#2)

परमेश्वर ने ऐसा क्यों किया होगा?

परमेश्वर ने उनकी भाषा में बड़ी गड़बड़ी इसलिए डाली ताकि वे एक-दूसरे को समझ न सकें।

उत्पत्ति 11:8

तब परमेश्वर ने लोगों को क्या करने के लिए प्रेरित किया?

परमेश्वर ने लोगों को सारी पृथ्वी के ऊपर फैला दिया, जैसा कि उन्होंने आज्ञा दी थी।

उत्पत्ति 11:9

लोग जिस नगर को बनाने का प्रयास कर रहे थे, उसका नाम क्या था?

नगर का नाम बाबेल रखा गया था।

उत्पत्ति 11:10

इस अध्याय में नूह के किस पुत्र की संतानों का उल्लेख किया गया है?

इस अध्याय में नूह के पुत्र शेम की संतानों का उल्लेख किया गया है।

उत्पत्ति 11:26

अब्राम के पिता कौन थे?

अब्राम के पिता तेरह थे।

उत्पत्ति 11:27

तेरह के पुत्र हारान का पुत्र किस नाम से प्रसिद्ध था?

तेरह के पुत्र हारान का एक पुत्र था जिसका नाम लूत था।

उत्पत्ति 11:28

तेरह कहाँ निवास करते थे?

वे कसदियों के ऊर में निवास करते थे।

उत्पत्ति 11:29

अब्राम की पत्नी का नाम क्या था?

अब्राम की पत्नी का नाम सारै था।

उत्पत्ति 11:30

अब्राम की पत्नी को क्या समस्या थी?

अब्राम की पत्नी सारै बाँझ थीं और उनके कोई सन्तान नहीं थे।

उत्पत्ति 11:31

तेरह अब्राम, सारै, और लूत के साथ कहाँ गए?

तेरहअब्राम, सारै, और लूत के साथ हारान चले गए।

उत्पत्ति 12:1

जब अब्राम हारान में रह रहे थे, तब यहोवा ने अब्राम से क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने अब्राम से कहा कि वे अपने पिता के घर को छोड़कर उस देश में चला जाएँ जिसे वे अब्राम को दिखाएँगे।

उत्पत्ति 12:2–3

यहोवा ने अब्राम से क्या वादा किया?

यहोवा ने वादा किया कि वे अब्राम को आशीष देंगे, उन्हें एक बड़ी जाति बनाएंगे, और उनके माध्यम से भूमण्डल के सारे कुलों को आशीष देंगे।

उत्पत्ति 12:5

अब्राम के साथ कौन यात्रा कर रहे थे?

अब्राम अपनी पत्नी सारै और अपने भाई के पुत्र लूत के साथ यात्रा कर रहे थे।

उत्पत्ति 12:5 (#2)

अब्राम किस देश की यात्रा पर गए?

अब्राम ने कनान देश की ओर यात्रा की।

उत्पत्ति 12:7

जब यहोवा अब्राम के सामने प्रकट हुए, तब उन्होंने अब्राम से क्या वादा किया?

यहोवा ने अब्राम के वंश को कनान देश देने का वचन दिया।

उत्पत्ति 12:8

अब्राम ने यहोवा की आराधना कैसे की?

अब्राम ने यहोवा के लिए एक वेदी बनाई और यहोवा से प्रार्थना की।

उत्पत्ति 12:10

कनान की भूमि में अकाल के कारण अब्राम कहाँ गए?

अब्राम मिस्र गए।

उत्पत्ति 12:12

जब अब्राम मिस्र में प्रवेश कर रहे थे, तो उन्हें किस बात की चिंता थी?

अब्राम चिंतित थे कि मिस्री उन्हें मार डालेंगे और उनकी पत्नी सारै को ले लेंगे क्योंकि वह सुन्दर थीं।

उत्पत्ति 12:13

अब्राम ने सारै से मिस्रवासियों को उनके बारे में क्या बताने के लिए कहा?

अब्राम ने सारै से मिस्रवासियों से यह कहने के लिए कहा कि वह अब्राम की बहन हैं।

उत्पत्ति 12:15

जब वे मिस्र में प्रवेश करते हैं, तो सारै के साथ क्या होता है?

फ़िरौन ने सारै को अपने महल में ले लिया।

उत्पत्ति 12:17

इस समय फ़िरौन के साथ क्या घटित हुआ?

यहोवा ने फ़िरौन और उसके घराने को बड़ी विपत्तियों से पीड़ित किया।

उत्पत्ति 12:18–19

फ़िरौन ने अब्राम से क्या प्रश्न किया?

फ़िरौन ने अब्राम से पूछा कि उन्होंने यह क्यों कहा कि सारै उनकी पत्नी के बजाय उनकी बहन हैं।

उत्पत्ति 12:20

फिरौन ने अब्राम और सारै के साथ क्या किया?

फ़िरौन ने अब्राम और सारै को विदा कर दिया।

उत्पति 13:1

अब्राम मिस्र छोड़कर कहाँ गए?

अब्राम कनान के दक्षिण देश की यात्रा पर गए।

उत्पत्ति 13:2

अब्राम अपने साथ क्या लेकर गए थे?

अब्राम अपने साथ अनेक पशु और बहुत सारा चाँदी और सोना लेकर चले।

उत्पति 13:6–7

अब्राम और लूत के चरवाहों के बीच झगडे का कारण क्या था?

एक झगड़ा हुआ क्योंकि भूमि अब्राम और लूत को अपनी सारी सम्पत्ति के साथ एक साथ रहने में सहायता नहीं कर सकती थी।

उत्पति 13:9

अब्राम ने लूत को क्या सुझाव दिया?

अब्राम ने लूत को रहने के स्थान का चयन करने का प्रस्ताव दिया, और फिर अब्राम विपरीत दिशा में जाकर रहने के लिए अपना स्थान ढूँढेंगे।

उत्पत्ति 13:10–11

लूत ने कहाँ निवास करने के लिए चुना और क्यों?

लूत ने पूर्व की ओर जाने और यरदन के मैदान में निवास करने का निर्णय लिया क्योंकि वह क्षेत्र अच्छी तरह से सिंचित था।

उत्पत्ति 13:12

तब अब्राम कहाँ रहते थे?

अब्राम कनान देश में निवास करते थे।

उत्पति 13:13

सदोम में किस प्रकार के लोग निवास करते थे?

सदोम के लोग यहोवा की दृष्टि में बड़े दुष्ट और पापी थे।

उत्पत्ति 13:14–15

इस समय, यहोवा ने अब्राम से क्या कहा कि वे उन्हें क्या देंगे?

यहोवा ने वादा किया कि अब्राम जहाँ खड़े थे, वहाँ से जो भी भूमि वे देख सकते थे, वह उन्हें दी जाएगी।

उत्पति 13:16

यहोवा ने क्या कहा कि अब्राम की कितनी संतानें होंगी?

यहोवा ने अब्राम से कहा कि उनके पास इतने वंशज होंगे कि वह उन्हें गिन नहीं सकेंगे, जैसे पृथ्वी की धूल के कण अनगिनत हैं।

उत्पति 13:18

उस समय अब्राम किस नगर के पास गए?

अब्राम हेब्रोन के नगर के पास चले गए।

उत्पति 14:11–12

सिद्दीम की तराई में राजाओं की लड़ाई के परिणामस्वरूप सदोम में क्या हुआ?

सदोम की सभी सम्पत्ति ले ली गई, और लूत और उनकी सारी सम्पत्ति भी ले ली गई।

उत्पति 14:14

जब अब्राम को यह बताया गया कि लूत को ले जाया गया है, तब उन्होंने क्या किया?

अब्राम ने अपने 318 युद्ध कौशल में निपुण दासों को इकट्ठा किया और उनका पीछा किया।

उत्पत्ति 14:15–16

अब्राम ने किस बड़े नगर के निकट राजाओं से युद्ध किया, और उस युद्ध का परिणाम क्या हुआ?

अब्राम ने दमिश्क के पास राजाओं से युद्ध किया, और वे सम्पत्ति, लूत, और अन्य लोगों को वापस ले आए।

उत्पति 14:17–18

जब अब्राम लौटे तो उनसे मिलने कौन से दो राजा आए?

जब अब्राम लौटे, तो सदोम के राजा और शालेम के राजा मलिकिसिदक उनसे मिलने आए।

उत्पति 14:18

मलिकिसिदक का परमेश्वर के साथ क्या सम्बन्ध था?

मलिकिसिदक परमप्रधान परमेश्वर के याजक थे।

उत्पति 14:18 (#2)

जब मलिकिसिदक अब्राम से मिले, तो वे अपने साथ क्या लाए?

मलिकिसिदक अब्राम से मिलने पर अपने साथ रोटी और दाखमधु लाए।

उत्पत्ति 14:19–20

मलिकिसिदक ने अब्राम से क्या कहा था?

मलिकिसिदक ने अब्राम को आशीर्वाद दिया और परमप्रधान परमेश्वर की स्तुति की।

उत्पति 14:20

मलिकिसिदक के बोलने के बाद अब्राम ने क्या किया?

अब्राम ने मलिकिसिदक को सब का दशमांश दिया।

उत्पति 14:21

सदोम के राजा ने अब्राम को क्या प्रस्ताव दिया था?

सदोम के राजा ने प्रस्ताव रखा कि यदि अब्राम प्रजा को राजा को दे दे, तो वह अब्राम को सारी सम्पत्ति अपने पास रखने देगा।

उत्पति 14:22–23

अब्राम किसी भी सम्पत्ति को क्यों नहीं चाहते थे?

अब्राम ने यहोवा, परमप्रधान परमेश्वर की ओर अपना हाथ उठाया था, और वह नहीं चाहते थे कि सदोम का राजा यह कह सके कि उसने अब्राम को धनी बनाया है।

उत्पति 14:23–24

अब्राम ने सदोम के राजा के प्रस्ताव का उत्तर कैसे दिया?

अब्राम ने कहा कि वह किसी भी सम्पत्ति को नहीं चाहते, सिवाय उन चीजों के जो जवान लोगों ने खाई थीं और उन लोगों के हिस्से के लिए जो उनके साथ गए थे।

उत्पति 15:1

जब यहोवा अब्राम के सामने प्रकट हुए, तो यहोवा ने अब्राम को क्या प्रोत्साहन दी?

यहोवा ने अब्राम से कहा कि वे भयभीत न हों, क्योंकि यहोवा उनकी ढाल और अत्यन्त बड़ा प्रतिफल हैं।

उत्पत्ति 15:2–3

अब्राम ने परमेश्वर से किस विषय पर बात की?

अब्राम ने परमेश्वर से निःसंतान होने और अपने दास को अपना एकमात्र उत्तराधिकारी होने की बात कही।

उत्पत्ति 15:4

यहोवा ने क्या कहा कि अब्राम का वारिस कौन होगा?

यहोवा ने कहा कि अब्राम का निज पुत्र ही उनका वारिस होगा।

उत्पत्ति 15:5

यहोवा ने कहा कि अब्राम की कितनी संतानें होंगी?

यहोवा ने कहा कि अब्राम की संतानें तारागण के समान अनगिनत होंगी।

उत्पत्ति 15:6

अब्राम ने यहोवा के वादे पर कैसे प्रतिक्रिया दी, और फिर यहोवा ने क्या किया?

अब्राम ने यहोवा पर विश्वास किया, और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धार्मिकता गिना।

उत्पत्ति 15:8

अब्राम ने यहोवा से भूमि के सम्बन्ध में कौन सा प्रश्न पूछा?

अब्राम ने यहोवा से पूछा, "मैं कैसे जानूँ कि मैं इसका अधिकारी होऊँगा?"

उत्पति 15:10

फिर अब्राम ने उन पशुओं के साथ क्या किया जिन्हें लाने के लिए उनसे कहा गया था?

अब्राम ने पशुओं को बीच से दो टुकड़े कर दिया और टुकड़ों को आमने-सामने रखा।

उत्पति 15:12

जब सूर्य अस्त होने लगा, तब अब्राम के साथ क्या घटित हुआ?

जब सूर्य अस्त होने लगा, तब अब्राम को भारी नींद आई; और अत्यन्त भय और महा अंधकार ने उसे छा लिया।

उत्पति 15:13

यहोवा ने कब तक कहा कि अब्राम के वंश को दास बनाया जाएगा और उन पर अत्याचार किया जाएगा?

यहोवा ने अब्राम से कहा कि उनका वंश चार सौ वर्षों तक दासता और उत्पीड़न में रहेगा।

उत्पति 15:14

यहोवा ने क्या कहा कि अब्राम के वंश को दास बनाने वाले देश के साथ क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि वे उस देश को दण्ड देंगे।

उत्पति 15:15

यहोवा ने कहा कि अब्राम का जीवन कैसे समाप्त होगा?

यहोवा ने कहा कि अब्राम कुशल के साथ बुढ़ापे में मरेंगे।

उत्पति 15:16

अब्राम के वंश के उस देश में लौटने से पहले जिसकी उनसे प्रतिज्ञा की गई थी, क्या पूरा होना था?

एमोरियों का अधर्म पूरा होना था इससे पहले कि अब्राम का वंश लौटे।

उत्पति 15:17

उस रात, उन पशुओं के टुकड़ों के बीच क्या हुआ जो अब्राम ने तैयार किए थे?

एक अँगीठी जिसमें से धुआँ उठता था और एक जलती हुई मशाल पशुओं के टुकड़ों के बीच में से होकर निकल गई।

उत्पति 15:18–21

उस दिन यहोवा ने अब्राम के साथ कौन-सी वाचा बाँधी?

यहोवा ने अब्राम के साथ एक वाचा बाँधी कि वह यह देश अब्राम के वंश को देंगे।

उत्पति 16:1–2

सारै का अब्राम को एक वंशज देने के लिए क्या विचार था?

सारै ने अब्राम से कहा कि वे उसकी दासी हागार के पास जाएँ, ताकि उसके द्वारा सन्तान उत्पन्न हो सके।

उत्पत्ति 16:4

जब हागार अब्राम द्वारा गर्भवती हुई, तो हागार और सारै के बीच क्या हुआ?

हागार के गर्भवती होने के बाद, हागार ने सारै को अपनी दृष्टि में तुच्छ जाना।

उत्पत्ति 16:5–6

सारै अब्राम के पास क्या शिकायत लाई, और अब्राम ने कैसे प्रतिक्रिया दी?

सारै ने शिकायत की कि यह अब्राम की गलती थी कि हागार ने उन्हें तुच्छ जाना, और अब्राम ने सारै से कहा कि वह हागार के साथ जो सबसे उचित समझें, वह करें।

उत्पत्ति 16:6

हागार के गर्भवती होने के बाद सारै ने हागार के साथ कैसा व्यवहार किया, और हागार ने क्या किया?

सारै ने हागार के साथ कठोरता से व्यवहार किया, जिससे हागार वहाँ से भाग गईं।

उत्पत्ति 16:9

जंगल में, यहोवा के स्वर्गदूत ने हागार से क्या करने के लिए कहा?

यहोवा के स्वर्गदूत ने हागार से कहा कि वे सारै के पास लौट जाएँ और उनके वश में रहें।

उत्पत्ति 16:10

यहोवा के स्वर्गदूत ने हागार से क्या प्रतिज्ञा की?

यहोवा के स्वर्गदूत ने हागार से वादा किया कि उसका वंश इतना अधिक होगा कि उसकी गिनती न हो सकेगी।

उत्पति 16:11

हागार को अपने बेटे का नाम इश्माएल रखने के लिए क्यों कहा गया था?

हागार को अपने बेटे का नाम इश्माएल रखने के लिए कहा गया क्योंकि यहोवा ने उनके दुःख का हाल सुन लिया था।

उत्पति 16:12

इश्माएल अन्य लोगों के साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

इश्माएल का हाथ सब के विरुद्ध उठेगा, और वह अपने सब भाई-बन्धुओं के मध्य में बसा रहेगा।

उत्पति 16:13

हागार ने यहोवा को कौन सा नाम दिया?

हागार ने यहोवा को नाम दिया, "अत्ताएलरोई।"

उत्पत्ति 16:16

जब इश्माएल का जन्म हुआ, तब अब्राम की आयु कितनी थी?

जब इश्माएल का जन्म हुआ, तब अब्राम छियासी वर्ष के थे।

उत्पत्ति 17:1

जब यहोवा अब्राम के साथ अपनी वाचा की पुष्टि करने के लिए उसको दोबारा दर्शन दिया तब वह कितने वर्ष के थे?

अब्राम निन्यानवे वर्ष के थे जब यहोवा फिर से अब्राम के सामने प्रकट हुए।

उत्पत्ति 17:1 (#2)

यहोवा ने अब्राम को उनके जीवन के विषय में क्या आज्ञा दी?

यहोवा ने अब्राम को आज्ञा दी कि वे उनकी उपस्थिति में चलें और सिद्ध होते रहे।

उत्पत्ति 17:5

यहोवा ने अब्राम का नाम बदलकर क्या कर दिया, और उस नाम का क्या अर्थ है?

यहोवा ने अब्राम का नाम बदलकर अब्राहम कर दिया, जिसका अर्थ है "जातियों के समूह का मूलपिता।"

उत्पति 17:8

यहोवा ने वाचा के भाग के रूप में अब्राहम के वंश को क्या दिया?

यहोवा ने अब्राहम के वंश को वाचा के हिस्से के रूप में कनान देश दिया।

उत्पत्ति 17:8 (#2)

यहोवा ने कहा कि अब्राहम के वंशजों और यहोवा के बीच क्या सम्बन्ध होगा?

यहोवा ने कहा कि वे अब्राहम के वंशजों के परमेश्वर होंगे।

उत्पति 17:10–11

अब्राहम और यहोवा के बीच की वाचा के चिन्ह के रूप में यहोवा ने क्या करने की आज्ञा दी?

यहोवा ने आज्ञा दी कि प्रत्येक पुरुष का खतना किया जाए, जो अब्राहम और यहोवा के बीच वाचा का एक चिन्ह है।

उत्पति 17:12

एक बच्चे का खतना किस आयु में किया जाना चाहिए?

आठ दिन बाद एक बच्चे का खतना किया जाना चाहिए।

उत्पति 17:12–13

उन परदेशियों के साथ क्या किया जाना चाहिए था जो यहोवा के साथ वाचा में एक घराने में शामिल हो गए थे?

परदेशियों को, जो यहोवा के साथ वाचा में एक परिवार में शामिल हुए थे, उन्हें भी खतना करवाना आवश्यक था।

उत्पति 17:14

जिस पुरुष का खतना नहीं हुआ उसका क्या हुआ?

कोई भी पुरुष जिसका खतना नहीं हुआ था, उसे अपने लोगों में अलग कर दिया गया क्योंकि उसने वाचा तोड़ी थी।

उत्पति 17:15

यहोवा ने सारै का नाम किसमें परिवर्तित कर दिया?

यहोवा ने सारै का नाम बदलकर सारा कर दिया।

उत्पति 17:16

यहोवा ने सारा से क्या वादा किया था?

यहोवा ने वादा किया कि अब्राहम का पुत्र सारा के माध्यम से आएगा।

उत्पति 17:17

अब्राहम ने सारा के सम्बन्ध में यहोवा के वादे पर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

अब्राहम हँसे और पूछा कि जब एक पुरुष और महिला इतने वृद्ध हों, तो एक बालक कैसे जन्म ले सकता है।

उत्पति 17:19

परमेश्वर ने क्या कहा कि अब्राहम को सारा से होने वाले पुत्र का नाम रखना होगा?

परमेश्वर ने कहा कि अब्राहम को अपने पुत्र का नाम इसहाक रखना होगा।

उत्पति 17:19 (#2)

परमेश्वर ने क्या कहा कि वह इसहाक के साथ क्या स्थापित करेंगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे इसहाक के साथ अपनी वाचा स्थापित करेंगे।

उत्पति 17:20

इश्माएल के विषय में परमेश्वर ने क्या प्रतिज्ञा की?

परमेश्वर ने इश्माएल को आशीष देने, उसे फलवन्त करने और उसे एक महान जाति बनाने की प्रतिज्ञा की।

उत्पत्ति 17:21

परमेश्वर ने क्या कहा कि वे इसहाक के साथ क्या स्थापित करेंगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे इसहाक के साथ अपनी वाचा स्थापित करेंगे।

उत्पति 17:24–27

जब परमेश्वर अब्राहम के पास से चले गए, तो उसी दिन अब्राहम ने क्या किया?

उसी दिन, अब्राहम ने अपने घराने के सभी पुरुषों का खतना किया।

उत्पति 17:25

जब इश्माएल का खतना हुआ तब उसकी उम्र कितनी थी?

इश्माएल का खतना तब हुआ था जब वे तेरह वर्ष के थे।

उत्पति 18:2

जब अब्राहम अपने तम्बू के द्वार पर बैठे थे, तब उन्होंने आँख उठाकर क्या दृष्टि की?

अब्राहम ने देखा कि तीन पुरुष उनके पास खड़े हैं।

उत्पति 18:4–5

अब्राहम ने पुरुषों को क्या दिया?

अब्राहम ने पुरुषों को धोने के लिए कुछ पानी और भोजन की पेशकश की।

उत्पति 18:9

जब आगंतुक ने अपनी भविष्यवाणी की, तब सारा कहाँ थीं?

सारा तम्बू के अन्दर थीं।

उत्पति 18:10

एक आगंतुक ने सारा के बारे में क्या भविष्यवाणी की थी?

एक आगंतुक ने कहा कि जब वह लौटेंगे, तब सारा का एक पुत्र होगा।

उत्पति 18:12

सारा ने आगंतुक की भविष्यवाणी पर क्या प्रतिक्रिया दी?

सारा ने जब आगंतुक की भविष्यवाणी सुनी, तो वह मन में हँसी।

उत्पति 18:14

यहोवा, आगंतुक, ने सारा की प्रतिक्रिया के बारे में क्या कहा?

यहोवा ने पूछा कि सारा क्यों हँसी, और कहा, "क्या यहोवा के लिये कोई काम कठिन है?"

उत्पति 18:16

जब पुरुष उठे, तो उन्होंने किस दिशा की ओर देखा?

पुरुषों ने सदोम की ओर दृष्टि की।

उत्पति 18:17

जब वे चल रहे थे, तब यहोवा ने कौन सा प्रश्न पूछा?

यहोवा ने कहा, "यह जो मैं करता हूँ उसे क्या अब्राहम से छिपा रखूँ?"

उत्पति 18:19

यहोवा ने अब्राहम से क्या करने के लिए कहा ताकि यहोवा अब्राहम को दिए गए वादों को पूरा कर सकें?

यहोवा ने कहा कि अब्राहम को अपने पुत्रों और परिवार को धार्मिकता और न्याय का पालन करने की आज्ञा देनी चाहिए।

उत्पति 18:20–21

पुरुष सदोम की ओर क्यों जा रहे थे?

पुरुष सदोम की ओर जा रहे थे क्योंकि सदोम और गमोरा के विरुद्ध चिल्लाहट बढ़ गई थी, और वे यह देखना चाहते थे कि क्या नगर उतने ही दुष्ट थे जितना कि चिल्लाहट ने संकेत दिया था।

उत्पति 18:23

जब अब्राहम यहोवा के सामने खड़े थे, तब उन्होंने यहोवा से कौन सा प्रश्न पूछा?

अब्राहम ने पूछा, "क्या तू सचमुच दुष्ट के संग धर्मी भी नाश करेगा?"

उत्पति 18:26

यहोवा ने क्या कहा कि यदि नगर में पचास धर्मी होंगे तो वह क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि वह उनके कारण उस सारे स्थान को छोड़ देंगे।

उत्पति 18:28

यदि नगर में पैंतालीस धर्मी होते तो यहोवा ने कहा कि वह क्या करते?

यहोवा ने कहा कि वे उनके कारण उस सारे स्थान को नाश नहीं करते।

उत्पति 18:29

यदि नगर में चालीस धर्मी होते तो यहोवा ने क्या कहा कि वह क्या करते?

यहोवा ने कहा कि वे उनके कारण उस सारे स्थान को छोड़ देते।

उत्पति 18:30

यदि नगर में तीस धर्मी होते तो यहोवा ने क्या कहा कि वह क्या करते?

यहोवा ने कहा कि वे उनके कारण उस सारे स्थान को छोड़ देते।

उत्पति 18:31

यदि नगर में बीस धर्मी होते तो यहोवा ने क्या कहा कि वह क्या करते?

यहोवा ने कहा कि वे उनके कारण उस सारे स्थान को छोड़ देते।

उत्पति 18:32

यदि नगर में दस धर्मी होते तो यहोवा ने क्या कहा कि वह क्या करते?

यहोवा ने कहा कि वे उनके कारण उस सारे स्थान को छोड़ देते।

उत्पति 19:2

जब लूत ने दो स्वर्गदूतों को सदोम में आते देखा, तो उन्होंने उन्हें क्या प्रस्ताव दिया?

लूत ने प्रस्ताव दिया कि वे रात में उनके घर पर रहें और फिर सुबह चले जाएँ।

उत्पति 19:2 (#2)

लूत के प्रति स्वर्गदूतों की प्रतिक्रिया क्या थी?

स्वर्गदूतों ने कहा कि वे चौक ही में रात बिताएँगे।

उत्पति 19:3

लूत के आग्रह पर, अंततः स्वर्गदूतों ने रात कहाँ बिताने का निर्णय लिया?

अंत में, स्वर्गदूत लूत के साथ रात बिताने के लिए उनके घर गए।

उत्पति 19:5

नगर के उन पुरुषों ने, जिन्होंने लूत के घर को घेर लिया था, लूत से क्या करने की माँग की थी?

पुरुष चाहते थे कि लूत उन दो पुरुषों को बाहर लाएँ जो उनसे मिलने आए थे, ताकि वे उनके साथ भोग कर सकें।

उत्पति 19:8

लूत ने नगर के पुरुषों को इसके बदले क्या प्रस्ताव दिया?

लूत ने नगर के पुरुषों को दो आगंतुकों के बजाय अपनी दो बेटियों को देने का प्रस्ताव रखा।

उत्पति 19:9

लूत के प्रस्ताव पर पुरुषों ने कैसी प्रतिक्रिया दी?

पुरुषों ने लूत से पीछे हटने के लिए कहा और उन्होंने द्वार को लगभग तोड़ ही दिया।

उत्पति 19:11

फिर स्वर्गदूतों ने क्या किया?

स्वर्गदूतों ने लूत को घर के अन्दर खींच लिया और बाहर के पुरुषों को अंधा कर दिया।

उत्पति 19:13

स्वर्गदूतों ने क्या कहा कि उन्हें यहोवा द्वारा क्या कार्य करने के लिए भेजा गया था?

स्वर्गदूतों ने कहा कि उन्हें नगर को नष्ट करने के लिए भेजा गया था।

उत्पति 19:14

लूत के दामादों ने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की जब लूत ने उनसे कहा कि जल्दी करो और सदोम छोड़ दो क्योंकि वह नष्ट होने वाला था?

लूत के दामादों ने सोचा कि लूत मजाक कर रहे हैं।

उत्पति 19:15

जब पौ फटने लगी, तो स्वर्गदूतों ने लूत से क्या करने के लिए कहा?

स्वर्गदूतों ने लूत से कहा कि वे अपनी पत्नी और बेटियों को लेकर नगर से बाहर निकल जाएँ।

उत्पति 19:16

लूत के विलम्ब करने के बावजूद, स्वर्गदूतों ने लूत और उनके परिवार को उनके हाथों से पकड़कर नगर से बाहर क्यों निकाला?

स्वर्गदूतों ने उन्हें नगर के बाहर ले जाकर रखा क्योंकि यहोवा की दया उन पर थी।

उत्पति 19:17

जब वे नगर के बाहर थे, तो स्वर्गदूतों ने लूत को क्या निर्देश दिए?

स्वर्गदूतों ने लूत और उनके परिवार से कहा कि वे अपनी जान बचाने के लिए भागें और पीछे मुड़कर न देखें।

उत्पति 19:22

स्वर्गदूत ने लूत और उनके परिवार को कहाँ भागने की अनुमति दी?

लूत और उनके परिवार को एक छोटे नगर, जिसे सोअर कहा जाता था, वहाँ भागने की अनुमति दी गई थी।

उत्पति 19:24

जब लूत सोअर पहुँचे, तो यहोवा ने क्या किया?

यहोवा ने सदोम और गमोरा पर आकाश से गन्धक और आग बरसाई।

उत्पति 19:26

लूत की पत्नी ने क्या किया और उनके साथ क्या हुआ?

लूत की पत्नी ने पीछे मुड़कर देखा, और वह नमक का खम्भा बन गई।

उत्पति 19:28

अब्राहम ने सुबह-सुबह सारे देश की ओर आँख उठाकर क्या देखा?

अब्राहम ने देखा कि उस देश में से धधकती हुई भट्ठी का सा धुआँ उठ रहा था।

उत्पति 19:30

लूत फिर कहाँ चले गए और क्यों गए?

लूत फिर पहाड़ों में एक गुफा में चले गए क्योंकि वह सोअर में रहने से डर रहे थे।

उत्पति 19:31–32

लूत की पुत्रियों ने अपने पिता के साथ क्या योजना बनाई?

लूत की पुत्रियों ने योजना बनाई कि वे अपने पिता को नशे में कर दें, फिर उनके साथ सोएं ताकि वे सन्तान उत्पन्न कर सकें।

उत्पत्ति 19:37–38

लूत की पुत्रियों से कौन-कौन सी दो जनजातियाँ उत्पन्न हुईं?

मोआबी और अम्मोनी लोग लूत की बेटियों के वंशज हैं।

उत्पति 20:1–2

जब अब्राहम गरार में रह रहे थे, तब उन्होंने सारा के बारे में क्या कहा?

अब्राहम ने कहा कि सारा उनकी बहन थीं।

उत्पति 20:3

परमेश्वर ने अबीमेलेक से क्या कहा जब उन्होंने सारा को लिया?

परमेश्वर ने एक सपने में अबीमेलेक के पास आकर उन्हें बताया कि वह एक मृत पुरुष हैं क्योंकि उन्होंने एक पुरुष की पत्नी को ले लिया था।

उत्पति 20:5

अबीमेलेक ने परमेश्वर से क्या कहा जो अब्राहम और सारा ने उसे बताया था?

अबीमेलेक ने परमेश्वर से कहा कि अब्राहम ने उन्हें बताया था कि सारा उसकी बहन हैं, और सारा ने उन्हें बताया था कि अब्राहम उसका भाई हैं।

उत्पति 20:7

परमेश्वर ने अबीमेलेक को क्या करने को कहा, और यदि उसने ऐसा नहीं किया तो क्या होगा?

परमेश्वर ने अबीमेलेक से कहा कि वे सारा को अब्राहम को लौटा दें; अन्यथा, वे और उनके सभी लोग मर जाएँगे।

उत्पत्ति 20:8

जब अबीमेलेक के कर्मचारियों ने सुना कि परमेश्वर ने अबीमेलेक से क्या कहा है, तो उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया दी?

जब अबीमेलेक के कर्मचारियों ने सुना कि परमेश्वर ने उन्हें क्या बताया है, तो वे बहुत डर गए।

उत्पति 20:11

अब्राहम ने क्या कहा कि उन्होंने अभीमेलेक से ऐसा क्यों कहा कि सारा उनकी बहन थी?

अब्राहम ने कहा कि उन्हें डर था कि अबीमेलेक उन्हें सारा के कारण मार डालेगा।

उत्पत्ति 20:12

सारा वास्तव में अब्राहम की बहन कैसे थीं?

सारा अब्राहम के पिता की पुत्री थीं, लेकिन उनकी माता की नहीं।

उत्पति 20:16

अबिमेलेक ने अब्राहम को कौन-कौन से उपहार दिए?

अबीमेलेक ने अब्राहम को रूपे के एक हजार टुकड़े दिए।

उत्पत्ति 20:16 (#2)

अबीमेलेक ने सारा को क्या कारण बताया कि उस ने उनके भाई को रूपे के एक हजार टुकड़े क्यों दिए?

अबीमेलेक ने सारा से कहा कि उन्होंने उनके भाई को रूपे के एक हजार टुकड़े दिए हैं ताकि सारा के खिलाफ किसी भी अपराध को ढका जा सके, उन सभी की नजरों में जो सारा के साथ थे, ताकि वह निर्दोष साबित हो सकें।

उत्पति 20:17

क्या हुआ जब अब्राहम ने अबीमेलेक और उसके लोगों के लिए परमेश्वर से प्रार्थना की?

परमेश्वर ने अबीमेलेक, उनकी पत्नी, और उनकी दासियों को चंगा किया ताकि वे जनने लगे।

उत्पति 21:2

यहोवा ने सारा के लिए क्या किया था?

यहोवा ने सारा की सुधि ली और नियुक्त समय पर उन्होंने अब्राहम से एक पुत्र को जन्म दिया।

उत्पति 21:4

जब इसहाक आठ दिन के थे, तब अब्राहम ने क्या किया?

जब इसहाक आठ दिन के थे, अब्राहम ने उनका खतना किया।

उत्पति 21:6

सारा ने क्या कहा कि परमेश्वर ने उन्हें क्या करने के लिए प्रेरित किया?

सारा ने कहा कि परमेश्वर ने उन्हें प्रफुल्लित किया था।

उत्पति 21:9

जिस दिन इसहाक का दूध छुड़ाया गया, उस दिन सारा ने क्या देखा?

सारा ने हागार के पुत्र को हँसी करता हुआ देखा।

उत्पति 21:10

सारा ने अब्राहम से हागार और उसके पुत्र को भेजने के लिए क्यों कहा?

सारा ने अब्राहम से कहा कि वह हागार और उसके पुत्र को बाहर निकाल दे, क्योंकि हागार का पुत्र इसहाक के साथ भागी न होगा।

उत्पति 21:11

सारा की माँग पर अब्राहम की प्रतिक्रिया क्या थी?

अब्राहम हागार के पुत्र के कारण सारा की माँग से चिंतित थे।

उत्पत्ति 21:12

परमेश्वर ने अब्राहम से क्या करने के लिए कहा?

परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि वे सारा की बात सुनें।

उत्पत्ति 21:14

अब्राहम द्वारा भेजे जाने के बाद हागार और उसका पुत्र कहाँ गए?

हागर और उसका पुत्र जंगल में चले गए।

उत्पत्ति 21:18

परमेश्वर ने हागार से क्या कहा कि वह उनके पुत्र के लिए क्या करेंगे?

परमेश्वर ने कहा कि वे हागार के पुत्र को एक बड़ी जाति बनाएँगे।

उत्पत्ति 21:19

हागार और उसका पुत्र कैसे जीवित रहे?

परमेश्वर ने हागार की आँखें खोलीं और उन्होंने पानी का एक कुआँ देखा।

उत्पत्ति 21:20–21

जैसे-जैसे हागार का पुत्र बड़ा होता गया, उसके साथ क्या हुआ?

हागार का पुत्र पारान के जंगल में रहता था, और उसकी माँ ने उसके लिए मिस्र से एक पत्नी मँगवाई।

उत्पत्ति 21:23

अबीमेलेक चाहते थे कि अब्राहम उनके लिए क्या करने की शपथ लें?

अबीमेलेक चाहते थे कि अब्राहम शपथ लें कि वे अबीमेलेक, उनके सन्तानों या उनके वंशजों के साथ छल न करें। अबीमेलेक ने अब्राहम से कहा कि वह उसे वही वाचा की विश्वासयोग्यता दिखाए जो अबीमेलेक ने अब्राहम को दिखाई थी।

उत्पत्ति 21:25

अब्राहम ने अबीमेलेक से किस विषय पर उलाहना दी?

अब्राहम ने अबीमेलेक से उस पानी के कुएँ के बारे में शिकायत की जिसे अबीमेलेक के दासों ने उनसे छीन लिया था।

उत्पत्ति 21:28–30

अब्राहम ने अबीमेलेक को सात मादा मेम्ने क्यों दिए?

अब्राहम ने अबीमेलेक को सात मादा मेम्ने दीं ताकि यह प्रमाणित हो सके कि उन्होंने विवादित कुआँ खोदा था।

उत्पत्ति 21:32

अबीमेलेक किस देश में लौटे?

अबीमेलेक पलिश्तियों के देश में लौट गए।

उत्पत्ति 21:33

अब्राहम ने बेर्शेबा में झाऊ के वृक्ष के पास क्या किया?

अब्राहम ने यहोवा, सनातन परमेश्वर की आराधना की।

उत्पत्ति 21:34

अब्राहम कई दिनों तक कहाँ ठहरे?

अब्राहम कई दिनों तक पलिश्तियों के देश में रहे।

उत्पत्ति 22:1–2

परमेश्वर ने अब्राहम की कौन सी परीक्षा की?

परमेश्वर ने अब्राहम से कहा कि वे मोरिय्याह देश में जाएँ और इसहाक को एक होम भेंट के रूप में अर्पित करें।

उत्पत्ति 22:3

अब्राहम ने परमेश्वर के आज्ञा का पालन कैसे किया?

अब्राहम सवेरे तड़के उठे और उस स्थान की यात्रा पर निकल पड़े जहाँ परमेश्वर ने उन्हें निर्देश दिया था।

उत्पत्ति 22:5

अब्राहम ने अपने दो युवकों से क्या कहा कि वे और इसहाक क्या करने जा रहे थे?

अब्राहम ने अपने दो युवा पुरुषों से कहा कि वे और इसहाक आराधना करने जा रहे हैं और फिर लौट आएँगे।

उत्पत्ति 22:7

जब इसहाक और अब्राहम साथ चल रहे थे, तो इसहाक ने अब्राहम से कौन सा प्रश्न पूछा?

इसहाक ने अब्राहम से पूछा, "होमबलि के लिए भेड़ कहाँ है?"

उत्पत्ति 22:8

अब्राहम ने इसहाक के प्रश्न का उत्तर कैसे दिया?

अब्राहम ने कहा कि परमेश्वर स्वयं होम बलि के लिए भेड़ का उपाय प्रदान करेंगे।

उत्पत्ति 22:9

जब वे स्थान पर पहुँचे, तब अब्राहम ने होमबलि के लिए क्या तैयार किया और उन्होंने यह कैसे किया?

अब्राहम ने इसहाक को होमबलि के रूप में तैयार किया और उसे बाँधकर वेदी पर रखा।

उत्पत्ति 22:12

जब अब्राहम ने अपने हाथ में छुरी ली, तब यहोवा के स्वर्गदूत ने अब्राहम से क्या कहा?

यहोवा के स्वर्गदूत ने अब्राहम से कहा कि वे इसहाक को कोई नुकसान न पहुँचायें।

उत्पत्ति 22:12 (#2)

स्वर्गदूत ने क्या कहा कि अब वह अब्राहम के बारे में क्या जानते थे?

स्वर्गदूत ने कहा कि अब वह जानता था कि अब्राहम परमेश्वर का भय मानते हैं।

उत्पत्ति 22:13

फिर परमेश्वर ने अब्राहम के लिए होमबलि कैसे प्रदान की?

अब्राहम के पीछे झाड़ियों में एक मेढ़ा फंसा हुआ था: अब्राहम ने उसे होमबलि के रूप में प्रस्तुत किया।

उत्पत्ति 22:14

अब्राहम ने होमबलि के स्थान को क्या नाम दिया?

अब्राहम ने उस स्थान को "यहोवा के पहाड़ पर प्रदान किया जाएगा" कहा।

उत्पत्ति 22:16–17

यहोवा के स्वर्गदूत ने अब्राहम को आशीर्वाद देने का क्या कारण बताया?

यहोवा के स्वर्गदूत ने कहा कि वह अब्राहम को आशीर्वाद देंगे क्योंकि अब्राहम ने अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा था।

उत्पत्ति 22:18

पृथ्वी की सारी जातियाँ किसके द्वारा और किस कारण से धन्य मानी जाने वाली थी?

अब्राहम के वंश के माध्यम से, पृथ्वी की सारी जातियाँ धन्य मानी जाने वाली थी, क्योंकि अब्राहम ने यहोवा के स्वर्गदूत की बात का पालन किया था।

उत्पत्ति 23:2

जब सारा की मृत्यु हुई, तब अब्राहम ने सबसे पहले क्या किया?

जब सारा की मृत्यु हुई, अब्राहम ने पहले उनके लिए शोक मनाया और उनके लिए रोए।

उत्पत्ति 23:3–4

अब्राहम ने हित्तियों से क्या अनुरोध किया?

अब्राहम ने एक कब्रिस्तान के रूप में उपयोग के लिए भूमि माँगी।

उत्पत्ति 23:5–6

हित्तियों ने अब्राहम की विनती का क्या उत्तर दिया?

हित्तियों ने अब्राहम को अपनी कब्रों में से सर्वोत्तम कब्रें अर्पित कीं।

उत्पत्ति 23:10–11

जब अब्राहम ने एप्रोन हित्ती की गुफा को एक कब्र के रूप में माँगा, तो एप्रोन ने क्या प्रतिक्रिया दी?

एप्रोन ने अब्राहम को गुफा और उसके पास का खेत मुफ्त में देने का प्रस्ताव दिया।

उत्पत्ति 23:12–13

अब्राहम ने एप्रोन के प्रस्ताव का उत्तर कैसे दिया?

अब्राहम ने खेत और गुफा के लिए दाम देने के लिए इच्छा व्यक्त की।

उत्पत्ति 23:14–15

एप्रोन ने अब्राहम के प्रस्ताव का उत्तर कैसे दिया?

एप्रोन ने खेत और गुफा के लिए चार सौ शेकेल रूपा की माँग की।

उत्पत्ति 23:14–16

अब्राहम और एप्रोन के बीच बातचीत कैसे समाप्त हुई?

अब्राहम ने भूमि के टुकड़े के लिए एप्रोन को चार सौ शेकेल रूपा में भुगतान किया।

उत्पत्ति 23:17–18

मकपेला में स्थित एप्रोन के क्षेत्र की खरीद में क्या-क्या शामिल था?

भूमि, उसमें जो गुफा थी, और भूमि में तथा उसके चारों ओर की सीमा में जो भी वृक्ष थे, वे सभी एप्रोन के भूमि की अब्राहम द्वारा खरीदी में शामिल थे।

उत्पत्ति 23:19

फिर अब्राहम ने गुफा का क्या किया?

अब्राहम ने फिर सारा को गुफा में मिट्टी दी।

उत्पत्ति 24:2–4

अब्राहम ने अपने सबसे पुरनिए दास को क्या शपथ लेने के लिए कहा?

अब्राहम ने अपने सबसे पुरनिए दास को शपथ दिलाई कि वह इसहाक के लिए अब्राहम के रिश्तेदारों में से एक पत्नी लाएँ।

उत्पत्ति 24:5–6

अब्राहम ने दास को इसहाक के साथ कनानियों में से किसी स्त्री से विवाह न कराने पर जोर दिया।

अब्राहम ने जोर देकर कहा कि दास इसहाक को उस भूमि में वापस न ले जाएँ जहाँ से अब्राहम आए थे।

उत्पत्ति 24:12–14

अब्राहम के दास ने परमेश्वर से क्या करने को कहा ताकि उसे दिखाया जा सके कि परमेश्वर ने इसहाक के लिए किस स्त्री को चुना था?

दास ने प्रार्थना की कि वह महिला, जिससे वह अपना मटका नीचे करने के लिए कहे ताकि वह उसे पीने के लिए पानी दें, और ऐसा करे और उसके ऊँटों को भी पानी पिलाने की पेशकश करे।

उत्पत्ति 24:15

रिबका का अब्राहम से क्या सम्बन्ध था?

रिबका नाहोर की पोती थीं, जो अब्राहम के भाई थे।

उत्पत्ति 24:17–18

जब अब्राहम के दास ने पानी पिलाने के लिए कहा, तब रिबका ने क्या किया?

रिबका ने दास को पानी प्रदान किया।

उत्पत्ति 24:19

रिबका ने दास को पानी पिलाने के बाद क्या कहा?

जब रिबका ने दास को पानी पिलाना समाप्त किया, तो उन्होंने कहा, "मैं तेरे ऊँटों के लिये भी तब तक पानी भर-भर लाऊँगी, जब तक वे पी न चुकें।"

उत्पत्ति 24:26–27

जब दास ने सुना कि रिबका अब्राहम की रिश्तेदार हैं और वह उनके परिवार के साथ रात बिता सकते हैं, तो उन्होंने क्या किया?

दास ने यहोवा को दण्डवत् करके उन्हें धन्य कहा।

उत्पत्ति 24:29

रिबका के भाई कौन थे?

लाबान रिबका के भाई थे।

उत्पत्ति 24:31

जब लाबान ने अब्राहम के दास से मुलाकात की, तब उन्होंने क्या किया?

लाबान ने अब्राहम के दास को अपने घर पर ठहरने के लिए आमंत्रित किया।

उत्पत्ति 24:33

अब्राहम के दास ने खाने से पहले किस बात पर जोर दिया?

अब्राहम के दास ने खाने से पहले यह जोर देकर कहा कि वह क्यों आया है।

उत्पत्ति 24:40

अब्राहम ने कैसे कहा था कि यहोवा दास के कार्य को सफल करेंगे?

अब्राहम ने कहा था कि यहोवा अपने स्वर्गदूत को दास के साथ भेजेंगे ताकि उसका कार्य सफल हो सके।

उत्पत्ति 24:47

जब दास ने सुना कि रिबका अब्राहम से सम्बन्धित हैं, तो उसने उन्हें क्या दिया था?

अब्राहम के दास ने रिबका को उसकी नाक के लिए सोने की नत्थ और उसकी बाहों के लिए कंगन प्रदान किए थे।

उत्पत्ति 24:50–51

जब अब्राहम के दास ने लाबान और बतूएल से रिबका के बारे में पूछा, तो उन्होंने क्या उत्तर दिया?

लाबान और बतूएल ने उत्तर दिया कि दास को रिबका को ले जाना चाहिए, ताकि रिबका अब्राहम के पुत्र की पत्नी बन सकें।

उत्पत्ति 24:52–53

जब अब्राहम के दास ने लाबान और बतूएल का उत्तर सुना, तब उसने क्या किया?

दास ने यहोवा को दण्डवत् किया। फिर उसने रिबका, उसके भाई और उसकी माँ को अनमोल वस्तुएँ दीं।

उत्पत्ति 24:54–55

जब वे अगली सुबह उठे, तो रिबका के भाई और माता क्या चाहते थे कि दास करे?

जब वे अगली सुबह उठे, तो वे चाहते थे कि अब्राहम के दास उनके साथ कुछ और दिन रुकें।

उत्पत्ति 24:56–58

जब अब्राहम के दास ने कहा कि वह तुरन्त जाना चाहते है, तो रिबका ने क्या कहा कि वह क्या करना चाहती थी?

रिबका ने कहा कि वह दास के साथ जाना चाहती थीं।

उत्पत्ति 24:60

जब रिबका अब्राहम के दास के साथ गईं, तो उनके परिवार ने उन्हें क्या आशीर्वाद दिया?

रिबका के परिवार ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि वह हजारों लाखों की आदिमाता हो और उनका वंश अपने बैरियों के नगरों का अधिकारी हो।

उत्पत्ति 24:63

इसहाक क्या कर रहे थे जब रिबका उनके घर पहुंचीं?

इसहाक मैदान में ध्यान कर रहे थे।

उत्पत्ति 24:64–65

जब रिबका ने इसहाक को देखा, तब उन्होंने क्या किया?

जब उन्होंने इसहाक को देखा, रिबका ऊँट से नीचे उतर गई और अपना घूँघट लेकर अपने मुँह को ढाँप लिया।

उत्पत्ति 24:67

अब्राहम के दास ने जो कुछ किया था, उसे सुनने के बाद इसहाक ने क्या किया?

इसहाक रिबका को अपनी माता सारा के तम्बू में लाए और रिबका को अपनी पत्नी के रूप में अपनाया।

उत्पत्ति 25:1

अब्राहम ने अपनी पत्नी सारा की मृत्यु के बाद क्या किया?

अब्राहम ने एक और पत्नी ब्याह ली जिनका नाम कतूरा था।

उत्पत्ति 25:5–6

अब्राहम ने अपनी सम्पत्ति का वितरण कैसे किया?

अब्राहम ने अपनी रखैलियों के पुत्रों को उपहार दिए और अपनी सारी सम्पत्ति इसहाक को सौंप दी।

उत्पत्ति 25:7

अब्राहम कितने वर्षों तक जीवित रहे थे?

अब्राहम एक सौ पचहत्तर वर्ष तक जीवित रहे।

उत्पत्ति 25:9

अब्राहम को किसने मिट्टी दी?

इसहाक और इश्माएल दोनों ने अब्राहम को मिट्टी दी।

उत्पत्ति 25:18

इश्माएल के बारह पुत्र एक-दूसरे के साथ कैसे रहते थे?

इश्माएल के बारह पुत्र एक-दूसरे के साथ शत्रुता में रहते थे।

उत्पत्ति 25:21

क्योंकि रिबका निःसंतान थीं इसहाक ने क्या किया?

इसहाक ने अपनी पत्नी के लिए यहोवा से प्रार्थना की; यहोवा ने उनकी प्रार्थना का उत्तर दिया, और रिबका गर्भवती हुईं।

उत्पत्ति 25:23

यहोवा ने रिबका के गर्भ में संघर्ष कर रहे दो बच्चों के बारे में क्या कहा?

यहोवा ने कहा कि उनके गर्भ में दो जातियाँ हैं, एक राज्य के लोग दूसरे से अधिक सामर्थी होंगे, और बड़ा बेटा छोटे के अधीन होगा।

उत्पत्ति 25:25

पहले कौन उत्पन्न हुए थे, और वे कैसे दिखते थे?

एसाव का जन्म पहले हुआ, और वह लाल निकला, उसका सारा शरीर कम्बल के समान रोममय था।

उत्पत्ति 25:26

दूसरे कौन उत्पन्न हुए थे, और जब वे उत्पन्न हुए तो वे क्या कर रहे थे?

याकूब दूसरे जन्मे, और जब उनका जन्म हुआ, तो वे एसाव की एड़ी पकड़े हुए थे।

उत्पत्ति 25:27

एसाव किस प्रकार के व्यक्ति थे?

एसाव एक चतुर शिकार खेलनेवाले और वनवासी थे।

उत्पत्ति 25:27 (#2)

याकूब किस प्रकार के मनुष्य थे?

याकूब एक सीधे मनुष्य थे जो अपना समय तम्बुओं में बिताते थे।

उत्पत्ति 25:28

इसहाक ने किससे प्रीती रखा, और रिबका ने किससे प्रीती रखा?

इसहाक एसाव से प्रीति रखते थे, और रिबका याकूब से प्रीति रखती थीं।

उत्पत्ति 25:30

एसाव का एक अन्य नाम क्या था?

एदोम एसाव का एक अन्य नाम था।

उत्पत्ति 25:31

याकूब ने लाल दाल के बदले जिसे एसाव खाना चाहता था, उससे क्या माँगा?

याकूब ने लाल दाल के बदले एसाव से उसके पहलौठे का अधिकार माँगा।

उत्पत्ति 25:33

याकूब के प्रस्ताव पर एसाव की प्रतिक्रिया क्या थी?

एसाव ने एक शपथ खाई और अपना पहलौठे का अधिकार याकूब के हाथ बेच डाला।

उत्पत्ति 25:34

जब एसाव ने याकूब के प्रस्ताव पर इस तरह प्रतिक्रिया दी तो वह अपने पहिलौठे के अधिकार के साथ कैसा व्यवहार कर रहे थे?

एसाव ने याकूब के प्रस्ताव का इस प्रकार उत्तर दिया कि वह अपने पहिलौठे के अधिकार को तुच्छ समझ रहे थे।

उत्पत्ति 26:1

इसहाक गरार नगर में क्यों गया जहाँ पलिश्तियों का राजा अबीमेलेक था?

इसहाक गरार चला गया क्योंकि उस देश में अकाल पड़ा था।

उत्पत्ति 26:2

इसहाक के गरार जाने से पहले यहोवा ने इसहाक से क्या कहा था?

यहोवा ने इसहाक से कहा था कि वह मिस्र न जाए, और उस देश में रहे जिसके विषय में वह इसहाक को बताएँगे।

उत्पत्ति 26:3

यहोवा ने इसहाक को उसके पिता अब्राहम से की गई शपथ के बारे में क्या बताया?

यहोवा ने इसहाक से कहा कि वह उस शपथ को पूरा करेंगे जो यहोवा ने अब्राहम से खाई थी।

उत्पत्ति 26:5

यहोवा ने ऐसा क्यों कहा कि वह ऐसा करने जा रहे हैं?

यहोवा ने कहा कि वह ऐसा इसलिए करेंगे क्योंकि अब्राहम ने उनकी बात मानी और उनकी निर्देशों, आज्ञाओं, विधियों और व्यवस्थाओं का पालन किया।

उत्पत्ति 26:7

इसहाक ने अपनी पत्नी रिबका के बारे में गरार के लोगों से क्या कहा?

इसहाक ने गरार के लोगों से कहा कि रिबका उसकी बहन थी।

उत्पत्ति 26:9–10

अबीमेलेक के अनुसार, इसहाक के झूठ के कारण लोगों पर क्या पाप आ सकता था?

इसहाक के झूठ की वजह से कोई रिबका के साथ कुकर्म कर सकता था और लोगों पर पाप आ सकता था।

उत्पत्ति 26:11

अबीमेलेक ने रिबका के बारे में क्या आज्ञा दी?

अबीमेलेक ने आज्ञा दी कि जो कोई रिबका को छूएगा उसे निश्चय मार डाला जाएगा।

उत्पत्ति 26:16

अबीमेलेक ने इसहाक को पलिश्तियों से दूर चले जाने के लिए कहने का क्या कारण बताया?

अबीमेलेक ने इसहाक से पलिश्तियों से दूर चले जाने को कहा क्योंकि वह उन से बहुत सामर्थी हो गया था।

उत्पत्ति 26:18

इसहाक को पानी के वे कुएँ क्यों खोदने पड़े जो अब्राहम के दिनों में खोदे गए थे?

इसहाक को उन पानी के कुओं को फिर से खोदना पड़ा जो उसके पिता अब्राहम के दिनों में खोदे गए थे, क्योंकि पलिश्तियों ने अब्राहम के मरने के पीछे उन्हें भर दिए थे।

उत्पत्ति 26:22

इसहाक ने उस कुएँ का क्या नाम रखा जिसके लिए गरार के चरवाहों ने उससे झगड़ा नहीं किया?

इसहाक ने उस कुएँ का नाम रहोबोत रखा, जिसके लिए गरार के चरवाहों ने उससे झगड़ा नहीं किया था।

उत्पत्ति 26:23–24

जब यहोवा ने बेर्शेबा में इसहाक को दर्शन दिया तो उन्होंने इसहाक को क्या पुनः बताया?

यहोवा ने पुनः कहा कि वह इसहाक को आशीष देंगे और उसके वंश को बढ़ायेंगे।

उत्पत्ति 26:28–29

अबीमेलेक इसहाक के साथ क्या वाचा बाँधना चाहता था और क्यों?

अबीमेलेक यह वाचा बाँधना चाहता था कि कोई भी पक्ष दूसरे को हानि नहीं पहुँचाएगा, क्योंकि उसने देखा कि यहोवा इसहाक के साथ थे।

उत्पत्ति 26:30–31

इसहाक ने अबीमेलेक के इस विनती पर कि उनके बीच वाचा बाँधी जाए क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

इसहाक ने एक भोज दिया, और उन्होंने आपस में शपथ खाई।

उत्पत्ति 26:34

एसाव की दोनों पत्नियाँ किस जाति से थीं?

एसाव की दोनों पत्नियाँ हित्तियों में से थीं।

उत्पत्ति 26:35

एसाव की पत्नियों और इसहाक और रिबका के बीच कैसा सम्बन्ध था?

एसाव की पत्नियों के कारण इसहाक और रिबका के मन को खेद हुआ।

उत्पत्ति 27:1

जब इसहाक बूढ़ा हो गया, तो वह क्या करने में असमर्थ हो गया?

जैसे-जैसे इसहाक बूढ़ा होता गया, उसकी आँखें ऐसी धुंधली पड़ गईं कि उसको सूझता न था।

उत्पत्ति 27:3–4

इसहाक ने एसाव से क्या करने को कहा और क्यों?

इसहाक ने एसाव से कहा कि वह शिकार पर जाए और उसकी रुचि के अनुसार भोजन बनाए, ताकि वह उसे खा सके और एसाव को आशीर्वाद दे सके।

उत्पत्ति 27:8–10

इसहाक के लिए भोजन का प्रबन्ध करने के लिए रिबका की क्या योजना थी और क्यों?

रिबका ने याकूब से कहा कि वह दो बकरियाँ लेकर आए और तब वह उसके लिए ऐसा भोजन बनाएगी जो इसहाक की रुचि के अनुसार था, ताकि याकूब उसे इसहाक के पास ले जाकर आशीर्वाद प्राप्त कर सके।

उत्पत्ति 27:11–12

इसहाक के लिए भोजन लाते समय याकूब किस बात से चिन्तित था?

याकूब को चिन्ता थी कि एसाव रोंआर था और वह रोमहीन था, और यह कि इसहाक उसे टटोल लेगा तो उसे पता चल जाएगा कि याकूब ठग है और उसे श्राप दे देगा।

उत्पत्ति 27:15–16

रिबका ने एसाव के रोंआर होने और याकूब के रोमहीन होने की समस्या को कैसे सुलझाया?

रिबका ने याकूब को लेकर एसाव के वस्त्र पहनाए और उसके गले और हाथों पर बकरियों के बच्चों की खालों को लपेट दिया।

उत्पत्ति 27:20

जब इसहाक ने पूछा कि उसे शिकार इतनी जल्दी कैसे मिल गया तब याकूब ने क्या कहा?

याकूब ने कहा कि इसहाक के परमेश्वर यहोवा ने शिकार को उसके सामने कर दिया।

उत्पत्ति 27:22–23

क्योंकि वह निश्चित नहीं था, तो इसहाक ने यह कैसे पता लगाने की कोशिश की कि उसे भोजन कौन दे रहा था?

इसहाक ने याकूब के हाथों को टटोलकर देखा और बकरी की खाल के बालों को महसूस किया।

उत्पत्ति 27:24

जब इसहाक ने पूछा, "क्या तू सचमुच मेरा पुत्र एसाव है?" तब याकूब ने क्या कहा?

याकूब ने कहा, "हाँ, मैं हूँ।"

उत्पत्ति 27:26–27

आख़िरकार किस बात ने इसहाक को यकीन दिलाया कि भोजन लाने वाला व्यक्ति एसाव था?

जब याकूब इसहाक को चूमने के लिए उसके पास आया, तो इसहाक को एसाव के वस्त्रों की सुगन्ध आई।

उत्पत्ति 27:29

इसहाक ने किसके बारे में कहा कि वह याकूब के सामने दण्डवत् करेगा?

इसहाक ने कहा कि देश-देश के लोग याकूब के सामने दण्डवत् करेंगे और याकूब की माता के पुत्र उसके सामने दण्डवत् करेंगे।

उत्पत्ति 27:30–31

याकूब के इसहाक के तम्बू से चले जाने के तुरन्त बाद एसाव ने क्या किया?

एसाव अहेर करके लौटा, भोजन तैयार किया और उसे इसहाक के पास ले आया।

उत्पत्ति 27:34–35

जब एसाव ने इसहाक से आशीर्वाद माँगा तो इसहाक ने क्या कहा?

इसहाक ने कहा कि याकूब ने धूर्तता से एसाव का आशीर्वाद छीन लिया है।

उत्पत्ति 27:36

एसाव ने किन दो तरीकों से कहा कि याकूब ने उसे धोखा दिया है?

एसाव ने कहा कि याकूब ने उससे उसका पहिलौठे का अधिकार और आशीर्वाद भी छीन लिया है।

उत्पत्ति 27:39–40

इसहाक ने एसाव को क्या "आशीर्वाद" दिया?

इसहाक ने कहा कि एसाव उपजाऊ भूमि से दूर रहेगा, वह अपनी तलवार के बल से जीवित रहेगा, वह अपने भाई के अधीन हो जाएगा, लेकिन अन्त में वह उसके खिलाफ स्वाधीन हो जाएगा और याकूब का जूआ अपने कंधे पर से तोड़ फेंकेगा।

उत्पत्ति 27:41

इसहाक की मृत्यु के बाद एसाव ने क्या करने का फैसला किया?

इसहाक की मृत्यु के बाद एसाव ने याकूब को मार डालने का निर्णय लिया।

उत्पत्ति 27:43

एसाव की योजनाएँ सुनने के बाद रिबका ने क्या किया?

रिबका ने याकूब को हारान में अपने भाई लाबान के पास भेजा।

उत्पत्ति 28:1

जाने से पहले इसहाक ने याकूब को क्या आज्ञा दी?

इसहाक ने याकूब को आदेश दिया कि वह किसी कनानी लड़की से ब्याह न करे।

उत्पत्ति 28:2

इसहाक ने याकूब को कहाँ से पत्नी लाने के लिए कहा?

इसहाक ने याकूब से कहा कि वह रिबका के भाई लाबान की बेटियों में से एक को ब्याह ले।

उत्पत्ति 28:4

इसहाक ने परमेश्वर से याकूब को किसकी आशीष देने की विनती की?

इसहाक ने परमेश्वर से याकूब को अब्राहम जैसी आशीष देने की विनती की।

उत्पत्ति 28:8–9

जब एसाव ने देखा कि कनान की स्त्रियाँ इसहाक को पसंद नहीं आईं, तो उसने अपनी पत्नी कहाँ से ब्याह लिया?

एसाव ने अब्राहम के पुत्र इश्माएल की बेटियों में से एक को ब्याह कर अपनी पत्नियों में मिला लिया।

उत्पत्ति 28:12–13

हारान के मार्ग में याकूब ने स्वप्न में क्या देखा?

याकूब ने पृथ्वी से स्वर्ग तक एक सीढ़ी देखी जिस पर स्वर्गदूत चढ़ते और उतरते थे, और यहोवा उसके ऊपर खड़े थे।

उत्पत्ति 28:13

याकूब जिस भूमि पर लेटा था उसके विषय में यहोवा ने क्या कहा?

यहोवा ने कहा कि जिस भूमि पर याकूब लेटा था वह उसे और उसके वंश को दी जाएगी।

उत्पत्ति 28:13 (#2)

यहोवा ने याकूब को किसकी आशीष दी?

यहोवा ने याकूब को अब्राहम की आशीष दी।

उत्पत्ति 28:17

याकूब ने उस स्थान के बारे में क्या कहा जहाँ उसने स्वप्न देखा था?

याकूब ने कहा कि यह स्थान परमेश्वर का भवन और स्वर्ग का फाटक है।

उत्पत्ति 28:19

याकूब ने उस स्थान का क्या नाम रखा जहाँ उसने स्वप्न देखा था?

याकूब ने उस स्थान का नाम बेतेल रखा।

उत्पत्ति 28:20–21

याकूब ने यहोवा से क्या कहा कि यहोवा को अपना परमेश्वर बनाने के लिए उन्हें क्या करना होगा?

याकूब ने कहा कि यदि यहोवा उसके साथ रहे और उसकी यात्रा में उसकी देखभाल करे ताकि वह कुशल से अपने पिता के घर लौट सके तो यहोवा उसका परमेश्वर ठहरेगा।

उत्पत्ति 28:22

यदि यहोवा ने उसके लिए ये कार्य किए तो याकूब ने यहोवा को क्या देने का वादा किया?

याकूब ने यहोवा को वचन दिया कि जो कुछ यहोवा ने याकूब को दिया है, उसका दशमांश वह उन्हें देंगे।

उत्पत्ति 29:4

याकूब ने जिन पुरुषों से बात करी वे कहाँ से थे?

वह पुरुष हारान से आए थे।

उत्पत्ति 29:6

भेड़-बकरियों के साथ कुएँ पर कौन आया था?

लाबान की बेटी राहेल भी भेड़-बकरियों के साथ कुएँ पर आई।

उत्पत्ति 29:10

याकूब ने लाबान की भेड़-बकरियों के लिए क्या किया?

याकूब ने कुएँ के मुँह से पत्थर हटाया और भेड़-बकरियों को पानी पिलाया।

उत्पत्ति 29:12

याकूब ने राहेल से क्या कहा और फिर उसने क्या किया?

याकूब ने राहेल को बताया कि वह उसका फुफेरा भाई है, और तब राहेल ने दौड़कर अपने पिता को बताया।

उत्पत्ति 29:13

जब लाबान को याकूब के आने का समाचार मिला तो उसने क्या किया?

लाबान याकूब से भेंट करने को दौड़ा, उसे गले लगाया, चूमा और अपने घर ले गया।

उत्पत्ति 29:16–17

लाबान की दो बेटियों का वर्णन करें।

लिआ बड़ी बेटी थी और उसकी आँखें धुन्धली थी, जबकि राहेल छोटी थी और वह रूपवती और सुन्दर थी।

उत्पत्ति 29:18

लाबान और याकूब ने याकूब की सेवा के सम्बन्ध में क्या प्रबन्ध किया?

वे इस बात पर सहमत हुए कि राहेल के बदले में याकूब लाबान की सात साल तक सेवा करेगा।

उत्पत्ति 29:20

सात साल की सेवा याकूब को क्यों कुछ ही दिनों के बराबर जान पड़ी?

याकूब राहेल से प्रीति रखता था इस कारण सात वर्ष की सेवा उसे कुछ ही दिनों के बराबर जान पड़ी।

उत्पत्ति 29:23–25

लाबान ने याकूब को किस प्रकार छला?

लाबान ने विवाह की रात राहेल के स्थान पर याकूब को लिआ को दे दिया।

उत्पत्ति 29:24

लाबान ने लिआ को उसकी दासी होने के लिए किसे दिया?

लाबान ने अपनी बेटी लिआ को उसकी दासी के रूप में अपनी दासी जिल्पा को दिया।

उत्पत्ति 29:26

लाबान ने क्यों कहा कि उसने याकूब के साथ छल किया था?

लाबान ने कहा कि उनकी रीति यह नहीं है कि छोटी बेटी का विवाह बड़ी बेटी से पहले कर दिया जाए।

उत्पत्ति 29:27

तब लाबान और याकूब ने याकूब की सेवा के सम्बन्ध में क्या प्रबंध किया?

वे इस बात पर सहमत हुए कि राहेल के बदले में याकूब लाबान की सात वर्ष और सेवा करेगा।

उत्पत्ति 29:29

लाबान ने राहेल की दासी बनाने के लिये किसे दिया?

लाबान ने बिल्हा को अपनी बेटी राहेल की दासी होने के लिये दिया।

उत्पत्ति 29:31

जब यहोवा ने देखा कि याकूब लिआ को अप्रिय जानता है तो उन्होंने क्या किया?

यहोवा ने लिआ की कोख खोली, परन्तु राहेल बाँझ रही।

उत्पत्ति 29:32

लिआ को क्या आशा थी कि अगर वह याकूब के लिए पुत्र उत्पन्न करेगी तो क्या होगा?

लिआ को आशा थी कि यदि वह याकूब के लिए पुत्रों को उत्पन्न करेगी तो वह उससे प्रीति रखेगा।

उत्पत्ति 29:32 (#2)

लिआ के पहले पुत्र का नाम क्या था?

लिआ के पहले पुत्र का नाम रूबेन था।

उत्पत्ति 29:35

यहूदा को जन्म देने के बाद लिआ ने क्या कहा?

यहूदा को जन्म देने के बाद, लिआ ने कहा, “अब की बार तो मैं यहोवा का धन्यवाद करूँगी।”

उत्पत्ति 30:2

याकूब के अनुसार, राहेल की कोई सन्तान क्यों नहीं थी?

याकूब के अनुसार, परमेश्वर ने राहेल की कोख को बन्द कर रखा था।

उत्पत्ति 30:3

राहेल ने सन्तान पाने के लिए क्या किया?

राहेल ने अपनी सेविका बिल्हा को याकूब के पास भेजा ताकि बिल्हा राहेल की ओर से सन्तान उत्पन्न कर सके।

उत्पत्ति 30:7–8

राहेल ने ऐसा क्यों कहा कि वह अपनी बहन के साथ मल्लयुद्ध जीत गई है?

राहेल ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसकी दासी बिल्हा ने याकूब के लिए दो पुत्रों को उत्पन्न किया था।

उत्पत्ति 30:9

जब लिआ ने देखा कि वह जनने से रहित हो चुकी है, तो उसने क्या किया?

लिआ ने याकूब को अपनी दासी जिल्पा दी ताकि जिल्पा लिआ की ओर से सन्तान उत्पन्न कर सके।

उत्पत्ति 30:10–11

लिआ ने ऐसा क्यों कहा, "अहो भाग्य"?

लिआ ने कहा, "अहो भाग्य" क्योंकि जिल्पा उसकी दासी ने याकूब को एक पुत्र दिया।

उत्पत्ति 30:14–15

राहेल ने लिआ को उसके पुत्र के दूदाफल के बदले क्या दिया?

रूबेन के दूदाफल के बदले में, राहेल ने उस रात लिआ को याकूब के संग सोने का मौका दिया।

उत्पत्ति 30:20

लिआ ने याकूब के लिए कितने पुत्र उत्पन्न किए?

लिआ ने याकूब के लिए छह पुत्रों को उत्पन्न किया।

उत्पत्ति 30:23

राहेल ने ऐसा क्यों कहा कि उसकी नामधराई दूर हो गई है?

जब राहेल ने याकूब के लिए एक पुत्र को उत्पन्न किया, तो उसने कहा कि उसकी नामधराई दूर हो गई।

उत्पत्ति 30:25–26

यूसुफ के जन्म के बाद याकूब ने लाबान से क्या अनुरोध किया?

याकूब ने लाबान से अनुरोध किया कि वह उसको उसके परिवार के साथ उसके देश और स्थान को वापस जाने दे।

उत्पत्ति 30:27

लाबान याकूब को जाने क्यों नहीं देना चाहता था?

लाबान ने यह अनुभव से जान लिया था कि यहोवा ने याकूब के कारण से उसे आशीष दी है।

उत्पत्ति 30:32

लाबान के लिए काम करने के बदले याकूब को क्या मजदूरी मिली?

अपनी मजदूरी के लिए, याकूब ने लाबान के झुण्ड से, जिसे वह चराता था, चित्तीवाली, चितकबरी और काली भेड़ें और चित्तीवाली और चितकबरी बकरियाँ लीं।

उत्पत्ति 30:35–36

लाबान ने याकूब की मजदूरी के विषय में उसे कैसे धोखा दिया?

याकूब को भेड़-बकरियों की देखभाल करने के लिए देने से पहले, लाबान ने सब धारीवाले और चितकबरे बकरों, और सब चित्तीवाली और चितकबरी बकरियों को हटा दिया जिन्हें याकूब ले जाने वाला था।

उत्पत्ति 30:37

याकूब ने किस प्रकार की छड़ियों पर सफेद धारियों को छीलकर बनाया?

याकूब ने चिनार, बादाम और अर्मोन वृक्षों की छड़ियाँ लेकर उन पर सफेद धारियाँ छीलीं।

उत्पत्ति 30:38

याकूब ने छिली हुई छड़ियों का क्या किया?

याकूब ने छीली हुई छड़ियों को भेड़-बकरियों के सामने, उनके पानी पीने के कठौतों के सामने खड़ा किया।

उत्पत्ति 30:39

जब झुण्ड छड़ियों के सामने गाभिन हुईं तो क्या हुआ?

जब झुण्ड छड़ियों के सामने गाभिन हुईं, तो उन्होंने धारीवाले, चित्तीवाले और चितकबरे बच्चे जने।

उत्पत्ति 30:42

याकूब द्वारा भेड़-बकरियों को गाभिन करने का परिणाम क्या हुआ?

परिणाम यह हुआ कि लाबान की भेड़-बकरियाँ निर्बल हो गईं और याकूब की भेड़-बकरियाँ बलवन्त हो गईं।

उत्पत्ति 31:1–2

लाबान और उसके पुत्रों का मानना था कि याकूब को सारी संपत्ति कहाँ से मिली?

लाबान और उसके पुत्रों का मानना था कि याकूब ने उसकी सारी संपत्ति लाबान की संपत्ति से प्राप्त की।

उत्पत्ति 31:3

यहोवा ने याकूब को क्या आज्ञा दी थी?

यहोवा ने याकूब को उसके पितरों के देश और अपनी जन्म-भूमि के पास लौटने की आज्ञा दी।

उत्पत्ति 31:8–9

परमेश्वर ने लाबान के भेड़-बकरियों को कैसे याकूब को दे दिया था?

परमेश्वर ने भेड़-बकरियों से चित्तीवाले और धारीवाले बच्चे जनमाये, जो याकूब की मजदूरी ठहरे।

उत्पत्ति 31:14–15

राहेल और लिआ का अपने पिता लाबान के प्रति कैसा रवैया था?

राहेल और लिआ ने कहा कि लाबान ने उनके साथ पराए लोगों जैसा व्यवहार किया और उनके रूपे को खा लिया था।

उत्पत्ति 31:19

याकूब के साथ जाने से पहले राहेल ने क्या किया?

राहेल ने अपने पिता के गृहदेवताओं को चुरा लिया।

उत्पत्ति 31:20

इस समय याकूब ने लाबान को कैसे धोखा दिया?

याकूब ने लाबान को यह न बताकर धोखा दिया कि वह भागा जा रहा है।

उत्पत्ति 31:22–23

जब लाबान को बताया गया कि याकूब भाग गया है तो उसने क्या किया?

लाबान ने अपने भाइयों के साथ याकूब का पीछा किया और सात दिन बाद उसे पकड़ लिया।

उत्पत्ति 31:24

परमेश्वर ने लाबान को एक स्वप्न में क्या कहा?

परमेश्वर ने लाबान से कहा कि वह याकूब से न तो भला कहे और न ही बुरा।

उत्पत्ति 31:31

याकूब ने यह क्यों कहा कि वह लाबान से छिपकर भाग गया था?

याकूब ने कहा कि वह छिपकर भाग गया क्योंकि उसे डर था कि लाबान अपनी बेटियों को उससे छीन लेगा।

उत्पत्ति 31:32

जब लाबान ने याकूब पर उसके गृहदेवताओं को चुराने का आरोप लगाया तो उसने क्या कहा?

याकूब ने कहा कि जिसने भी लाबान के गृहदेवताओं को चुराया है, वह जीवित न बचेगा।

उत्पत्ति 31:34–35

लाबान को याकूब की संपत्ति में उसके गृहदेवता क्यों नहीं मिले?

लाबान को अपने गृहदेवता नहीं मिले क्योंकि राहेल उन पर बैठ गई और फिर उसने कहा कि वह उठ नहीं सकती क्योंकि वह मासिक धर्म से है।

उत्पत्ति 31:41

याकूब ने लाबान के लिए कितने समय तक काम किया था, और लाबान ने कितनी बार उसकी मजदूरी बदली थी?

याकूब ने लाबान के लिए बीस वर्ष काम किया था, और लाबान ने उसकी मजदूरी दस बार बदली थी।

उत्पत्ति 31:43

लाबान ने कैसे दिखाया कि वह अब भी याकूब की संपत्ति को अपनी संपत्ति समझता था?

लाबान ने कहा कि याकूब की जो भी संपत्ति उसने देखी वह सब उसकी ही हैं।

उत्पत्ति 31:46

याकूब और लाबान ने अपनी वाचा का स्थान कैसे चिन्हित किया?

याकूब और लाबान ने वहाँ पत्थरों का ढेर लगाकर अपनी वाचा के स्थान को चिन्हित किया।

उत्पत्ति 31:49–50

वाचा बनी रहे इसको सुनिश्चित करने के लिए याकूब और लाबान के बीच किसे साक्षी नियुक्त किया गया था?

यह सुनिश्चित करने के लिए कि वाचा बनी रहे, परमेश्वर को याकूब और लाबान के बीच साक्षी घोषित किया गया था।

उत्पत्ति 31:51–52

ढेर और खम्भे का क्या उद्देश्य था?

ढेर और खम्बा दोनों ही वाचा के साक्षी थे, जिसमें कहा गया था कि न तो लाबान और न ही याकूब एक दूसरे को नुकसान पहुँचाने की मनसा से उस ढेर या खम्भे को लांघेंगे।

उत्पत्ति 31:52

याकूब और लाबान ने कौन सी प्रतिज्ञा की?

याकूब और लाबान दोनों ने एक दूसरे को हानि पहुँचाने के लिए पत्थरों के ढेर को लाँघकर उसके पास न जाने पर सहमति जताई।

उत्पत्ति 31:53

याकूब ने यह दिखाने के लिए क्या किया कि वह वाचा से सहमत था?

यह दिखाने के लिए कि वह वाचा के बारे में लाबान से सहमत है, याकूब ने परमेश्वर की शपथ खाई, जिनका भय उसका पिता इसहाक मानता था।

उत्पत्ति 31:55

अगली भोर को लाबान ने क्या किया?

अगली भोर लाबान उठा, अपने बेटे-बेटियों को चूमकर, उन्हें आशीर्वाद देकर अपने स्थान को लौट गया।

उत्पत्ति 32:3

कनान की ओर जाते समय याकूब ने किसे संदेश भेजा?

याकूब ने कनान की ओर जाते हुए अपने भाई एसाव को संदेश भेजा।

उत्पत्ति 32:5

याकूब ने यह संदेश किस उद्देश्य से भेजा था?

याकूब एसाव की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त करना चाहता था इसलिए उसने सन्देश भेजा था।

उत्पत्ति 32:7–8

जब याकूब ने सुना कि एसाव चार सौ पुरुषों के साथ आ रहा है, तो उसकी क्या प्रतिक्रिया थी और उसने क्या किया?

याकूब डर गया, इसलिए उसने अपने लोगों को दो दलों में बाँट दिया ताकि अगर एसाव एक दल को मारने लगे, तो दूसरा दल भागकर बच सके।

उत्पत्ति 32:11

याकूब की यहोवा से क्या विनती थी?

याकूब ने यहोवा से विनती की कि वह उसे एसाव के हाथ से बचा लें।

उत्पत्ति 32:12

याकूब ने यहोवा को किस वादे की याद दिलाई?

याकूब ने यहोवा को याद दिलाया कि उन्होंने याकूब के लिए भलाई करने और उसके वंश को समुद्र की रेतकणों के समान बनाने का वादा किया था।

उत्पत्ति 32:20

याकूब ने क्या सोचा कि अपने भाई एसाव को भेंट भेजकर वह क्या हासिल कर सकता है?

याकूब ने सोचा कि शायद वह भेटों से एसाव के क्रोध को शान्त कर सकेगा, ताकि बाद में जब याकूब उससे मिले, तो एसाव उससे प्रसन्न हो जाए।

उत्पत्ति 32:22

उस रात याकूब अकेला कैसे रह गया?

उसने अपनी पत्नियों, दासियों और ग्यारहों लड़कों को यब्बोक नदी के पार उतार दिया।

उत्पत्ति 32:24

उस रात याकूब ने पौ फटने तक क्या किया?

याकूब ने एक पुरुष के साथ पौ फटने तक मल्लयुद्ध किया।

उत्पत्ति 32:25

जब वह पुरुष याकूब को हरा नहीं सका तो उसने क्या किया?

उस पुरुष ने याकूब के जाँघ की नस को छुआ और उसकी जाँघ की नस चढ़ गई।

उत्पत्ति 32:26

याकूब ने उस पुरुष से जाने देने से पहले क्या माँग की?

याकूब ने उस पुरुष से आशीर्वाद माँगा।

उत्पत्ति 32:28

उस पुरुष ने कहा कि अब से याकूब का क्या नाम होगा?

उस पुरुष ने कहा कि अब से याकूब का नाम इस्राएल होगा।

उत्पत्ति 32:30

याकूब ने कहा कि उस रात उसने किसको आमने-सामने देखा था?

याकूब ने कहा कि उसने उस रात परमेश्वर को आमने-सामने देखा था।

उत्पत्ति 32:32

उस रात के बाद याकूब को कौन सी शारीरिक समस्या बनी रही?

उस रात के बाद याकूब अपनी जाँघ की चोट के कारण लँगड़ा कर चलता था।

उत्पत्ति 33:2–3

जब एसाव याकूब के पास आ रहा था, तो याकूब ने अपनी पत्नियों को किस क्रम में अपने पीछे रखा?

याकूब ने पहले अपनी दासियों को रखा, फिर लिआ को, और अन्त में राहेल को रखा।

उत्पत्ति 33:3

याकूब ने अपने भाई के पास पहुँचते ही क्या किया?

याकूब ने अपने भाई के पास पहुँचते ही सात बार भूमि पर गिरकर दण्डवत् किया।

उत्पत्ति 33:4

जब एसाव अपने भाई के पास आया तो उसने क्या किया?

एसाव याकूब से भेंट करने को दौड़ा, उसे हृदय से लगाकर, गले से लिपटकर चूमा।

उत्पत्ति 33:9

एसाव ने याकूब से कहा कि वह उन भेंटों का क्या करे जो उसने एसाव के लिए भेजे थे?

एसाव ने याकूब से कहा कि वह इन्हें अपने पास रख ले, क्योंकि उसके पास बहुत है।

उत्पत्ति 33:11

याकूब ने एसाव को अपनी भेंट ग्रहण करने के लिए कौन से दो कारण बताए?

याकूब ने कहा कि क्योंकि परमेश्वर ने उसके ऊपर अनुग्रह किया है और उसके पास बहुत है, इसलिए एसाव को उसकी भेंट ग्रहण करनी चाहिए।

उत्पत्ति 33:12–14

याकूब ने ऐसा क्यों कहा कि वह चाहता है कि एसाव आगे बढ़े, जबकि वह धीरे-धीरे चले?

याकूब ने कहा कि वह चाहता है कि एसाव आगे बढ़े क्योंकि यदि उसके दूध देनेहारी भेड़-बकरियाँ और गायें एक दिन भी अधिक हाँके जाएँगे, तो सब के सब मर जाएँगे।

उत्पत्ति 33:14

याकूब ने कहा कि वह अपने परिवार और भेड़-बकरियों को कहाँ ले आएगा?

याकूब ने कहा कि वह अपने परिवार और भेड़-बकरियों को सेईर में एसाव के पास ले आएगा।

उत्पत्ति 33:17

याकूब कहाँ गया, और उसने अपने लिये घर कहाँ बनाया?

याकूब सुक्कोत गया, जहाँ उसने अपने लिए एक घर बनाया।

उत्पत्ति 33:18–19

याकूब कहाँ गया, उसने कहाँ भूमि का एक खण्ड खरीदा?

याकूब शेकेम गया, जहाँ उसने भूमि का एक खण्ड खरीदा।

उत्पत्ति 34:2

जब हमोर के बेटे शेकेम ने लिआ की बेटी दीना को देखा तो उसने क्या किया?

शेकेम ने दीना को ले जाकर उसके साथ कुकर्म करके उसको भ्रष्ट कर डाला।

उत्पत्ति 34:5

जब याकूब को दीना के बारे में पता चला तो उसने सबसे पहले क्या किया?

याकूब तब तक चुप रहा जब तक उसके पुत्र मैदान से नहीं आ गये।

उत्पत्ति 34:7

जब याकूब के पुत्रों को पता चला कि शेकेम ने दीना के साथ क्या किया है, तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

याकूब के पुत्र बहुत क्रोधित हुए।

उत्पत्ति 34:8–9

शेकेम का पिता हमोर याकूब से क्या करवाना चाहता था?

हमोर चाहता था कि याकूब दीना को शेकेम की पत्नी होने के लिये दे दे, और याकूब के परिवार को हमोर के परिवार के साथ विवाह करने की अनुमति दे।

उत्पत्ति 34:12

शेकेम ने क्या कहा कि वह दीना को अपनी पत्नी बनाने के लिए क्या करने को तैयार है?

शेकेम ने कहा कि वह याकूब के कहे अनुसार मूल्य या बदला देगा ताकि कन्या को अपनी बना सके।

उत्पत्ति 34:13

याकूब के पुत्रों ने शेकेम को क्या जवाब दिया और क्यों?

याकूब के पुत्रों ने शकेम को छल के साथ उत्तर दिया, क्योंकि शेकेम ने दीना को अशुद्ध किया था।

उत्पत्ति 34:15

याकूब के पुत्रों ने हमोर के परिवार से विवाह करने से पहले उससे क्या अपेक्षा की?

याकूब के पुत्रों ने यह माँग की कि हमोर के परिवार के सभी पुरुषों का खतना किया जाए।

उत्पत्ति 34:23

अपने नगर के लोगों से बात करते समय, हमोर और शेकेम ने क्या कहा कि अगर वे याकूब के परिवार से विवाह कर लें तो उन्हें क्या मिलेगा?

उन्होंने कहा कि यदि वे याकूब के परिवार के संग विवाह कर लें तो याकूब के सारे पशु, धन-सम्पत्ति, भेड़-बकरियाँ और गाय-बैल उनके हो जाएँगे।

उत्पत्ति 34:24

जब हमोर के नगर के पुरुषों से पूछा गया कि क्या वे खतना कराने के लिए तैयार हैं, तो उन्होंने क्या जवाब दिया?

हमोर के नगर के लोगों ने हमोर और शेकेम की बात मानी और हर पुरुष का खतना किया गया।

उत्पत्ति 34:25

हमोर के परिवार के पुरुषों का खतना हो जाने के तीसरे दिन शिमोन और लेवी ने क्या किया?

शिमोन और लेवी ने हमोर के नगर पर आक्रमण किया और सभी पुरुषों को मार डाला।

उत्पत्ति 34:27–29

फिर याकूब के सब पुत्रों ने क्या किया?

याकूब के सब पुत्रों ने नगर को लूट लिया, सारी संपत्ति लूट ली, बाल-बच्चों और स्त्रियों को बन्दी बना लिया।

उत्पत्ति 34:30

जब याकूब को पता चला कि शिमोन और लेवी ने क्या किया है, तो उसने क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

याकूब ने कहा कि शिमोन और लेवी ने उस पर संकट लाया है क्योंकि अब देश के निवासी उसे और उसके घराने का सत्यानाश कर सकते हैं।

उत्पत्ति 34:31

शिमोन और लेवी ने ऐसा क्या कहा कि उन्होंने ऐसा किया था?

शिमोन और लेवी ने कहा कि उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि शेकेम ने उनकी बहन दीना के साथ वेश्या के समान बर्ताव किया था।

उत्पत्ति 35:1

परमेश्वर ने याकूब को क्या करने के लिए कहा?

परमेश्वर ने याकूब से कहा कि वह बेतेल जाए और परमेश्वर के लिए एक वेदी बनाए।

उत्पत्ति 35:2

तब याकूब ने अपने घराने के लोगों को क्या करने को कहा?

याकूब ने उनसे कहा कि वे अपने पराए देवताओं को दूर रखें, अपने आप को शुद्ध करें, और अपने वस्त्र बदलें।

उत्पत्ति 35:5

जब वे यात्रा कर रहे थे, तो याकूब और उसके घराने के आस-पास के नगरों के लोगों ने उनका पीछा क्यों नहीं किया?

उनके चारों ओर के नगरों के निवासियों ने उनका पीछा नहीं किया क्योंकि वे परमेश्वर से डरते थे।

उत्पत्ति 35:7

जिस स्थान पर वे आए थे, उसका नाम याकूब ने "एलबेतेल" क्यों रखा?

याकूब ने इसे "एलबेतेल" कहा क्योंकि यह वह स्थान था जहाँ परमेश्वर ने स्वयं को याकूब के सामने प्रकट किया था जब याकूब एसाव से भाग रहा था।

उत्पत्ति 35:10

परमेश्वर ने याकूब को कौन सा नया नाम दिया?

परमेश्वर ने याकूब को नया नाम इस्राएल दिया।

उत्पत्ति 35:12

परमेश्वर ने इस्राएल से कौन-सा वादा दोहराया?

परमेश्वर ने इस वादे की पुनः पुष्टि की कि इस्राएल जातियों का एक समूह बनेगा जिसके राजा उसके वंश में से होंगे, और वह देश जिसका वादा परमेश्वर ने अब्राहम और इसहाक से किया था, उसे और उसके वंश को दिया जाएगा।

उत्पत्ति 35:18–19

जब राहेल ने बिन्यामीन को जन्म दिया तो उसके साथ क्या हुआ?

बिन्यामीन को जन्म देने के बाद राहेल की मृत्यु हो गई।

उत्पत्ति 35:22

इस्राएल ने रूबेन के काम के बारे में क्या सुना?

इस्राएल को पता चला कि रूबेन ने इस्राएल की रखैली बिल्हा के साथ कुकर्म किया है।

उत्पत्ति 35:22 (#2)

याकूब के कितने पुत्र थे?

याकूब के बारह पुत्र थे।

उत्पत्ति 35:24

राहेल से याकूब के कौन से पुत्र उत्पन्न हुए?

यूसुफ और बिन्यामीन राहेल से उत्पन्न हुए थे।

उत्पत्ति 35:28

इसहाक कितने वर्ष जीवित रहा?

इसहाक एक सौ अस्सी वर्ष तक जीवित रहा।

उत्पत्ति 35:29

इसहाक को किसने मिट्टी दी थी?

इसहाक को एसाव और याकूब ने मिट्टी दी थी।

उत्पत्ति 36:1

एसाव की वंशावली को किस अन्य नाम से कहलाया जाता है?

एसाव की वंशावली को एदोम भी कहा जाता है।

उत्पत्ति 36:2

एसाव ने ब्याह करने के लिए लड़कियाँ कहाँ से प्राप्त कीं?

एसाव ने ब्याह करने के लिए लड़कियाँ कनानियों में से चुनीं।

उत्पत्ति 36:6–7

एसाव अपने भाई याकूब के पास से दूसरे देश को क्यों चले गए?

एसाव अपने भाई याकूब के पास से दूसरे देश को इसलिए चले गए क्योंकि उनकी सम्पत्ति इतनी होने के कारण उस देश में वे समा न सके।

उत्पत्ति 36:8

एसाव कहाँ रहने लगे?

एसाव सेईर नामक पहाड़ी देश में रहने लगे।

उत्पत्ति 36:12

एसाव के पहलौठे पुत्र एलीपज की रखैल तिम्ना के द्वारा जन्मे पुत्र का नाम क्या था?

तिम्ना के द्वारा जन्मे पुत्र का नाम अमालेक था।

उत्पत्ति 36:15–16

तिम्ना, जो एसाव के पहलौठे पुत्र एलीपज की रखैल थीं, उनके द्वारा जन्मे पुत्र का नाम क्या था?

तिम्ना के द्वारा जन्मे पुत्र का नाम अमालेक था।

उत्पत्ति 36:20

एदोम जहाँ रहता था वहाँ जो पहले से रहते थे उनके पूर्वज कौन थे?

एदोम जहाँ रहता था वहाँ जो पहले से रहते थे उनके पूर्वज सेईर था जो होरी कहलाता था।

उत्पत्ति 36:31

एदोम के देश में इस्राएल से पहले क्या था?

इस्राएलियों पर किसी राजा ने राज्य करने से पहले एदोम के देश में राजा थे।

उत्पत्ति 36:43

एदोमी जाति के मूलपुरुष कौन थे?

एसाव एदोमी जाति के मूलपुरुष थे।

उत्पत्ति 37:1

याकूब कहाँ रहते थे?

याकूब कनान देश में रहते थे।

उत्पत्ति 37:2

यूसुफ ने अपने पिता याकूब के लिए अपने भाइयों के संग भेड़-बकरियों की देखभाल करते समय क्या समाचार लाया?

यूसुफ अपने पिता के पास अपने भाइयों के बारे में उनकी बुराइयों का समाचार लेकर आए।

उत्पत्ति 37:3

इस्राएल ने यह कैसे दिखाया कि वे यूसुफ से अपने सब पुत्रों से बढ़कर प्रीति रखते थे?

इस्राएल ने यूसुफ के लिए एक रंग-बिरंगा अंगरखा बनवाया।

उत्पत्ति 37:4

यूसुफ के भाई यूसुफ के बारे में क्या सोचते थे?

यूसुफ के भाई उनसे बैर करने लगे और उनके साथ ठीक से बात भी नहीं करते थे।

उत्पत्ति 37:7

यूसुफ ने अपने पहले स्वप्न में क्या देखा था?

यूसुफ ने देखा कि उसका पूला उठकर सीधा खड़ा है जबकि उसके भाइयों के पूले उसके पूले के सामने दण्डवत् कर रहे हैं।

उत्पत्ति 37:8

जब यूसुफ ने अपने भाइयों को अपना पहला स्वप्न बताया, तो उन्होंने यूसुफ के बारे में क्या सोचा?

यूसुफ के भाई उससे और भी अधिक बैर करने लगे।

उत्पत्ति 37:9

यूसुफ ने अपने दूसरे स्वप्न में क्या देखा था?

यूसुफ ने देखा कि सूर्य, चन्द्रमा, और ग्यारह तारे उसे दण्डवत् कर रहे हैं।

उत्पत्ति 37:10

यूसुफ के दूसरे स्वप्न में, सूर्य, चन्द्रमा और तारे किसका प्रतिनिधित्व करते थे?

सूर्य, चन्द्रमा और तारे यूसुफ के पिता, माता, और भाइयों का प्रतिनिधित्व करते थे।

उत्पत्ति 37:14

याकूब ने यूसुफ को हेब्रोन की तराई में किस कार्य के लिए विदा कर दिया?

याकूब ने यूसुफ को हेब्रोन की तराई में विदा कर दिया ताकि वह देख सके कि उसके भाइयों और भेड़-बकरियों का हाल कुशल से है और याकूब के लिए समाचार ले आ सके।

उत्पत्ति 37:20

जब यूसुफ के भाईयों ने उन्हें आते देखा, तो उन्होंने क्या योजना बनाई?

यूसुफ के भाइयों ने यूसुफ को घात करके किसी गड्ढे में डालने की योजना बनाई।

उत्पत्ति 37:22

रूबेन ने अपने भाइयों को क्या सुझाव दिया, और क्यों दिया?

रूबेन ने सुझाव दिया कि भाई यूसुफ को बिना लहू बहाए गड्ढे में डाल दें, ताकि वह बाद में यूसुफ को बचा सकें।

उत्पत्ति 37:28

यूसुफ के भाइयों ने यूसुफ को किसे और कितने में बेचा?

यूसुफ के भाइयों ने यूसुफ को इश्माएलियों के हाथ चाँदी के बीस टुकड़ों में बेच दिया।

उत्पत्ति 37:28 (#2)

यूसुफ को कहाँ ले जाया गया?

यूसुफ को मिस्र ले जाया गया था।

उत्पत्ति 37:31–32

यूसुफ के भाइयों ने यह कैसे दिखाया कि यूसुफ मर चुका है?

यूसुफ के भाइयों ने एक बकरे को मारकर उसके लहू में यूसुफ का अंगरखा डुबा दिया, फिर उस रंगबिरंगे अंगरखे को अपने पिता के पास ले गए।

उत्पत्ति 37:34

जब याकूब को यह समझ आया कि यूसुफ मर चुका है, तो उसने क्या किया?

याकूब ने अपने वस्त्र फाड़े और कमर में टाट लपेटा, और अपने पुत्र के लिये बहुत दिनों तक विलाप करता रहा।

उत्पत्ति 37:36

यूसुफ को मिस्र में किसके पास बेचा गया था?

यूसुफ को मिस्र में फिरौन के एक हाकिम और अंगरक्षकों के प्रधान पोतीपर के पास बेचा गया था।

उत्पत्ति 38:2

यहूदा ने किससे विवाह किया?

यहूदा ने एक कनानी पुरुष की बेटी से विवाह किया।

उत्पत्ति 38:7

यहोवा ने यहूदा के पहले जेठा पुत्र एर के साथ क्या किया, और क्यों?

यहोवा ने एर को मार डाला क्योंकि वह दुष्ट था।

उत्पत्ति 38:9

यहूदा के दूसरे पुत्र ओनान ने अपने भाई एर के लिए सन्तान उत्पन्न करने के कर्तव्य को क्यों नहीं निभाया?

ओनान जब तामार के साथ संबंध बनाने के लिए जाते हैं, तो वे भूमि पर वीर्य गिराकर नाश कर देता था।

उत्पत्ति 38:10

यहोवा ने यहूदा के दूसरे पुत्र ओनान के साथ क्या किया, और क्यों?

यहोवा ने ओनान को मार डाला क्योंकि उससे यहोवा अप्रसन्न हुए।

उत्पत्ति 38:11

फिर यहूदा ने तामार से क्या प्रतिज्ञा की?

यहूदा ने तामार को अपने तीसरे पुत्र शेला को पति के रूप में देने का वादा किया जब शेला सयाना हो जाएगा।

उत्पत्ति 38:12

बहुत समय के बीतने पर, यहूदा को सांत्वना की आवश्यकता क्यों थी?

यहूदा को सांत्वना की आवश्यकता थी क्योंकि उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी।

उत्पत्ति 38:14

जब तामार ने सुना कि यहूदा तिम्नाह जा रहे हैं, तो उसने क्या किया?

तामार ने अपनी विधवापन का पहरावा उतार दिए, और घूँघट डालकर अपने को ढाँप लिया, और एनैम नगर के फाटक के पास, जो तिम्नाह के मार्ग में है, जा बैठी।

उत्पत्ति 38:14 (#2)

तामार ने ऐसा क्यों किया?

तामार ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यहूदा के तीसरे पुत्र शेला के बड़े हो जाने के बावजूद, उसे तामार को पत्नी के रूप में नहीं दिया गया था।

उत्पत्ति 38:18

यहूदा के उसके साथ संबंध बनाने से पहले तामार ने रेहन रखने के रूप में क्या प्राप्त किया?

यहूदा ने तामार को रेहन रखने के रूप में अपनी मुहर, और बाजूबन्द, और अपने हाथ की छड़ी दी।

उत्पत्ति 38:21

जब यहूदा ने देवदासी को बकरी का बच्चा देकर अपनी रेहन रखी हुई वस्तु वापस पाने की कोशिश की, तो उसे क्या पता चला?

यहूदा को पता चला कि उस क्षेत्र में कोई देवदासी नहीं थी।

उत्पत्ति 38:24

जब यहूदा को पता चला कि तामार गर्भवती हैं, तो वह क्या करना चाहता था?

यहूदा तामार को जला कर मरना चाहता था क्योंकि वह व्यभिचार से गर्भवती हुई थीं।

उत्पत्ति 38:25

जब तामार को यहूदा के सामने लाया गया, तब यहूदा ने क्या किया?

उसने कहा कि वह उस पुरुष से गर्भवती थीं जिसके मुहर, बाजूबन्द, और छड़ी उसके पास थे।

उत्पत्ति 38:26

जब यहूदा ने अपनी मुहर, बाजूबन्द, और छड़ी देखी, तो उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की?

यहूदा ने कहा कि तामार उससे कम दोषी है, क्योंकि उसने तामार को शेला के साथ पत्नी के रूप में नहीं दिया था।

उत्पत्ति 38:27

तामार के कितने बच्चे थे?

तामार के जुड़वे बच्चे थे।

उत्पत्ति 38:28

जब तामार के जुड़वे बच्चों में से एक बालक ने तामार के गर्भ से अपना हाथ बाहर निकाला, तो दाई ने क्या किया?

जब तामार के जुड़वां में से एक बालक ने तामार के गर्भ से अपना हाथ बाहर निकाला, तो दाई ने एक लाल सूत लेकर उसके हाथ में यह कहते हुए बाँध दिया, "पहले यही उत्पन्न हुआ।"

उत्पत्ति 38:29–30

तामार ने जिन दो भाइयों को जन्म दिया, उनके नाम क्या थे?

उन दो भाइयों के नाम पेरेस और जेरह थे जिन्हें तामार ने जन्म दिया था।

उत्पत्ति 39:1

मिस्र में यूसुफ को किसने मोल लिया?

मिस्र में फ़िरौन के एक हाकिम और अंगरक्षकों के प्रधान पोतीपर ने यूसुफ को मोल लिया।

उत्पत्ति 39:3–4

यूसुफ मिस्र में सफल क्यों थे?

यूसुफ सफल थे क्योंकि यहोवा उसके संग रहते थे।

उत्पत्ति 39:6

यूसुफ के हाथ में पोतीपर ने क्या दिया?

यूसुफ के हाथ में पोतीपर ने अपना सब कुछ छोड़ दिया।

उत्पत्ति 39:7

पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ से क्या करने के लिए कहा?

पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ से उसके साथ सोने को कहा।

उत्पत्ति 39:8–9

यूसुफ ने पोतीपर की पत्नी की माँग का उत्तर कैसे दिया?

यूसुफ ने अस्वीकार करते हुए अपने स्वामी की पत्नी से कहा कि वह ऐसी बड़ी दुष्टता और पाप करके परमेश्वर का अपराधी नहीं बनना चाहता था।

उत्पत्ति 39:12

जब पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ के वस्त्र पकड़ लिए तो उसने क्या किया?

यूसुफ अपना वस्त्र उसके हाथ में छोड़कर भागा, और बाहर निकल गया।

उत्पत्ति 39:14–15

पोतीपर की पत्नी ने यूसुफ पर क्या आरोप लगाए?

उसने उस पर उसकी इच्छा के विरुद्ध उसके साथ सोने के प्रयास करने का आरोप लगाया।

उत्पत्ति 39:19–20

जब पोतीपर ने यूसुफ के खिलाफ आरोप सुने, तो उन्होंने क्या किया?

पोतीपर का कोप भड़का और उन्होंने यूसुफ को पकड़कर बन्दीगृह में डाल दिया।

उत्पत्ति 39:21

इस समय, यहोवा ने यूसुफ पर क्या किया?

इस समय यहोवा ने यूसुफ पर करुणा की।

उत्पत्ति 39:22

बन्दीगृह के दरोगा ने यूसुफ के हाथ में क्या सौंपा?

बन्दीगृह के दरोगा ने सब बन्दियों को जो कारागार में थे यूसुफ के हाथ में सौंप दिया।

उत्पत्ति 39:23

यूसुफ ने जो कुछ भी किया उसका परिणाम क्या हुआ, और क्यों?

क्योंकि यहोवा यूसुफ के साथ था इसलिए जो कुछ यूसुफ करता था यहोवा उसको उसमें सफलता देता था।

उत्पत्ति 40:1

मिस्र के राजा ने अपने पिलानेहारे और पकानेहारे को बन्दीगृह में क्यों डाला?

उसने उन्हें बन्दीगृह में इसलिए डाल दिया क्योंकि उन्होंने अपने स्वामी के विरुद्ध कुछ अपराध किया था।

उत्पत्ति 40:5

उसी रात पिलानेहारा और पकानेहारा के साथ क्या घटित हुआ?

पिलानेहारा और पकानेहारा दोनों ने एक ही रात में एक स्वप्न देखा।

उत्पत्ति 40:7–8

अगली सुबह पिलानेहारा और पकानेहारा दोनों क्यों उदास थे?

वे दोनों उदास थे क्योंकि कोई भी उनके स्वप्नों का अर्थ नहीं बता सकता था।

उत्पत्ति 40:8

यूसुफ ने कहा कि स्वप्नों के फल कौन कह सकता है?

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर स्वप्नों के फल कह सकते हैं।

उत्पत्ति 40:12–13

यूसुफ ने पिलानेहारा के स्वप्न की क्या फल कही?

यूसुफ ने कहा कि स्वप्न का अर्थ यह था कि तीन दिनों के भीतर फ़िरौन पिलानेहारा को उनके पद पर पुनः नियुक्त करेगा।

उत्पत्ति 40:14

स्वप्न के फल कहने के बाद यूसुफ ने पिलानेहारे से क्या अनुरोध किया?

यूसुफ ने अनुरोध किया कि पिलानेहारे उन्हें स्मरण करे, और उस पर कृपा करके फ़िरौन से उसकी चर्चा करे, और उन्हें बन्दीगृह से छुड़वा दे।

उत्पत्ति 40:18–19

यूसुफ ने पकानेहारे के स्वप्न का फल क्या बताया?

यूसुफ ने कहा कि स्वप्न का अर्थ था कि तीन दिनों के भीतर फिरौन पकानेहारे को सिर कटवाकर एक वृक्ष पर टंगवा देगा।

उत्पत्ति 40:20

तीसरे दिन कौन सी विशेष घटना घटी?

तीसरे दिन फ़िरौन का जन्मदिन था।

उत्पत्ति 40:21–22

उस दिन फ़िरौन ने पिलानेहारे और पकानेहारे के साथ क्या किया था?

फ़िरौन ने पिलानेहारे को उसके पद पर फिर से नियुक्त किया, लेकिन उसने पकानेहारे को टंगवा दिया, जैसा कि यूसुफ ने उनके स्वप्नों का फल उनसे कहा था।

उत्पत्ति 40:23

क्या पिलानेहारों के प्रधान ने यूसुफ की विनती को स्मरण किया?

नहीं, पिलानेहारों के प्रधान ने यूसुफ की सहायता करने की बात स्मरण नहीं रखी और उसे भूल गया।

उत्पत्ति 41:4

फ़िरौन के पहले स्वप्न में, सात कुरूप और दुर्बल गायों ने सात सुन्दर और मोटी-मोटी गायों के साथ क्या किया?

सात कुरूप और दुर्बल गायों ने सात सुन्दर और मोटी-मोटी गायों को खा लिया।

उत्पत्ति 41:7

फ़िरौन के दूसरे स्वप्न में, सात पतली बालों ने उन सातों मोटी और अन्न से भरी हुई बालों के साथ क्या किया?

सात पतली बालों ने उन सातों मोटी और अन्न से भरी हुई बालों को निगल लिया।

उत्पत्ति 41:8

फिरौन के ज्योतिषियों और पंडितों ने उनके स्वप्नों का फल कैसे बताया?

फिरौन के ज्योतिषी और पंडित उसके स्वप्नों का फल नहीं बता सके।

उत्पत्ति 41:12–13

पिलानेहारों के प्रधान ने फिरौन को यूसुफ के बारे में क्या बताया?

पिलानेहारों के प्रधान ने फ़िरौन को बताया कि एक इब्री जवान ने सही ढंग से उसके और पकानेहारे के स्वप्नों का फल बताया था जब वे बंदीगृह में थे।

उत्पत्ति 41:16

यूसुफ ने कहा कि फ़िरौन के स्वप्न का अर्थ कौन देगा?

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर ही फ़िरौन के लिये शुभ वचन देंगे।

उत्पत्ति 41:25

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर फ़िरौन को क्या प्रगट कर रहे थे?

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर फ़िरौन को यह प्रगट कर रहे थे कि परमेश्वर क्या काम करना चाहते हैं।

उत्पत्ति 41:26

स्वप्नों में सात अच्छी-अच्छी गायें और सात अच्छी-अच्छी बालें क्या संकेत करते थे?

सात अच्छी-अच्छी गायें और सात अच्छी-अच्छी बालें सात बहुतायत की उपज वाले वर्ष का प्रतिनिधित्व करते थे।

उत्पत्ति 41:27

स्वप्नों में सात दुर्बल और कुडौल गायें और सात छूछी और पुरवाई से मुर्झाई हुई बालें क्या संकेत करते थे?

सात दुर्बल और कुडौल गायें और सात छूछी और पुरवाई से मुर्झाई हुई बालें सात वर्षों के अकाल का प्रतिनिधित्व करते थे।

उत्पत्ति 41:32

यूसुफ के अनुसार, फ़िरौन को दो स्वप्न क्यों दिखाए गए थे?

फ़िरौन को दो स्वप्न इसलिए दिए गए थे क्योंकि यह बात परमेश्वर की ओर से नियुक्त हो चुकी है, और परमेश्वर इसे शीघ्र ही पूरा करेंगे।

उत्पत्ति 41:34

यूसुफ ने फ़िरौन को सुकाल के सात वर्ष में मिस्र की उपज का कितना भाग लेने की सलाह दी थी?

यूसुफ ने फ़िरौन को सलाह दी कि वे देश पर अधिकारियों को नियुक्त करे जो सुकाल के सात वर्ष में उपज का पंचमांश लिया करे।

उत्पत्ति 41:38

फ़िरौन के अनुसार यूसुफ़ में क्या विशेषता थी?

फ़िरौन ने कहा कि परमेश्वर का आत्मा यूसुफ में रहता है।

उत्पत्ति 41:40-41

फिरौन ने यूसुफ को किस पर अधिकारी ठहराया?

फ़िरौन ने यूसुफ को अपने घर और मिस्र के सारे देश के ऊपर अधिकारी ठहराया, और फ़िरौन के बाद दूसरे स्थान पर रखा।

उत्पत्ति 41:48-49

यूसुफ ने सुकाल के सात वर्षों में कितने राशि-राशि गिनके रखे?

यूसुफ ने समुद्र की रेत के समान अत्यन्त बहुतायत से राशि-राशि गिनके रखा, जिसकी मात्रा इतनी अधिक थी कि वे असंख्य हो गईं।

उत्पत्ति 41:50-52

अकाल से पहले जन्मे यूसुफ के दो पुत्रों के क्या नाम थे?

यूसुफ के पुत्रों के नाम मनश्शे और एप्रैम थे।

उत्पत्ति 41:54

सात वर्षों का अकाल कितना व्यापक था?

सात वर्षों का अकाल सारे मिस्र देश में पड़ा था।

उत्पत्ति 41:55-56

जब मिस्र के लोग फिरौन से चिल्ला चिल्लाकर रोटी माँगने लगे तो यूसुफ ने क्या किया?

यूसुफ सब भण्डारों को खोल-खोलकर मिस्रियों के हाथ अन्न बेचने लगा।

उत्पत्ति 41:57

मिस्र में अन्न मोल लेने के लिए यूसुफ के पास कौन आया?

सारी पृथ्वी के लोग मिस्र में अन्न मोल लेने के लिए यूसुफ के पास आने लगे।

उत्पत्ति 42:1-4

याकूब ने अन्न मोल लेने के लिए मिस्र में किसे भेजा?

याकूब ने यूसुफ के दस भाइयों को बिन्यामीन के बिना मिस्र अन्न मोल लेने के लिए भेजा।

उत्पत्ति 42:6

जब यूसुफ के भाई अन्न मोल लेने के लिए यूसुफ के पास आए, तब उन्होंने क्या किया?

यूसुफ के भाइयों ने भूमि पर मुँह के बल गिरकर उनको दण्डवत् किया।

उत्पत्ति 42:7

जब यूसुफ ने अपने भाइयों को पहचाना, तब उन्होंने क्या किया?

यूसुफ उनके सामने भोला बनकर अपने भाइयों से कठोरता से बात की।

उत्पत्ति 42:9

यूसुफ ने अपने भाइयों पर क्या आरोप लगाए?

यूसुफ ने अपने भाइयों पर भेदिए होने का आरोप लगाया।

उत्पत्ति 42:13

यूसुफ के भाइयों ने बताया कि उनका सबसे छोटा भाई कहाँ है?

यूसुफ के भाइयों ने कहा कि उनका सबसे छोटा भाई उनके पिता के साथ कनान की भूमि में है।

उत्पत्ति 42:13 (#2)

यूसुफ के भाइयों ने क्या बताया कि उनका दूसरा लापता भाई कहाँ है?

यूसुफ के भाइयों ने कहा कि उनका दूसरा लापता भाई अब जीवित नहीं हैं।

उत्पत्ति 42:15

यूसुफ ने अपने भाइयों को यह साबित करने के लिए कि वे भेदिए नहीं हैं कैसे परखा?

यूसुफ ने कहा कि उनके भाई मिस्र नहीं छोड़ेंगे जब तक उनका सबसे छोटा भाई मिस्र नहीं आ जाता।

उत्पत्ति 42:17

यूसुफ ने भाइयों को कहाँ रखा और कितने समय तक रखा?

यूसुफ ने भाइयों को तीन दिन तक बन्दीगृह में रखा।

उत्पत्ति 42:18–20

यूसुफ ने भाइयों से जीवित रहने के लिए क्या करने के लिए कहा?

यूसुफ ने उन्हें बताया कि भाइयों में से एक को बन्दीगृह में रखा जाए, जबकि बाकी कनान में अन्न ले जाएं और अपने छोटे भाई को वापस लेकर आएं।

उत्पत्ति 42:21–22

यूसुफ के भाइयों को क्यों निःसन्देह यकीन हुआ कि यह संकट उन पर आ पड़ी है?

उनका मानना था कि जो अपराध उन्होंने यूसुफ के साथ किया था, उसके लिए उनसे यूसुफ का लहू बदला माँग रहा था।

उत्पत्ति 42:24

जब यूसुफ ने अपने भाइयों को यह बातचीत करते सुना कि उन्होंने उनके साथ क्या किया था, तो उन्होंने क्या किया?

जब यूसुफ ने अपने भाइयों को यह बातचीत करते सुना कि उन्होंने उसके साथ क्या किया था, तो यूसुफ उनसे हटकर रोने लगे।

उत्पत्ति 42:25

यूसुफ ने एक-एक भाई के बोरे में क्या रख दिया?

यूसुफ ने एक-एक भाई के रुपये-पैसे उनकी बोरे में वापस रख दिए थे।

उत्पत्ति 42:28

जब भाइयों को पता चला कि एक भाई के बोरे में उसके रुपये-पैसे हैं, तो उन्होंने क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

उनके जी में जी न रहा और वे एक-दूसरे को भय से ताकने लगे।

उत्पत्ति 42:28 (#2)

भाइयों ने अपनी वर्तमान समस्याओं के लिए किसे दोषी ठहराया?

भाइयों ने परमेश्वर को दोषी ठहराया और पूछा कि परमेश्वर ने उनके साथ ऐसा क्यों किया।

उत्पत्ति 42:35

जब भाइयों और याकूब ने सभी बोरे से अन्न निकालने लगे, तो उन्होंने क्या देखा?

उन्होंने देखा कि एक-एक जन के रुपये की थैली उसी के बोरे में रखी है।

उत्पत्ति 42:36

याकूब को किस बात का भय था कि उनकी स्थिति के कारण क्या हो सकता है?

याकूब को डर था कि शिमोन और बिन्यामीन उनसे छीन लिए जाएंगे।

उत्पत्ति 42:37

रूबेन ने याकूब से कौन सी शपथ ली?

रूबेन ने शपथ ली कि वह बिन्यामीन को मिस्र से याकूब के पास फिर से पहुचायेंगे; अन्यथा, रूबेन के दोनों पुत्र मारे जा सकते थे।

उत्पत्ति 42:38

क्या याकूब ने रूबेन को बिन्यामीन को मिस्र ले जाने की आज्ञा दी थी?

नहीं, याकूब ने रूबेन को बिन्यामीन को मिस्र ले जाने की आज्ञा नहीं दी।

उत्पत्ति 42:38 (#2)

याकूब ने कहा कि यदि बिन्यामीन की मृत्यु हो गई, तो उनके साथ क्या होगा?

याकूब ने कहा कि यदि बिन्यामीन की मृत्यु हो गई, तो वह शोक के साथ अधोलोक में उतर जाएंगे।

उत्पत्ति 43:1–2

इस्राएल ने अपने पुत्रों से फिर से जाकर मिस्र से कुछ अन्न मोल लेने के लिए क्यों कहा?

अकाल और भी भयंकर था, और वह अन्न जो वे मिस्र से ले आए थे, समाप्त हो चुका था।

उत्पत्ति 43:3–5

यहूदा ने क्या कहा कि मिस्र वापस जाने के लिए उनके पास क्या होना चाहिए?

यहूदा ने कहा कि उन्हें मिस्र जाने के लिए अपने भाई बिन्यामीन की आवश्यकता है।

उत्पत्ति 43:9

यहूदा ने अपने पिता इस्राएल से कौन सी शपथ ली?

यहूदा ने कहा कि यदि वह बिन्यामीन को वापस नहीं लाते, तो वे हमेशा के लिए अपराधी ठहरेंगे।

उत्पत्ति 43:11–12

इस्राएल ने भाइयों से क्या कहा कि वे अपने साथ मिस्र ले जाएं?

इस्राएल ने भाइयों से कहा कि वे भूमि के उत्तम-उत्तम वस्तुओं में से कुछ कुछ अपने बोरों में लें, और जितने रुपया वे देते थे, उसका दूना लेकर जाएं।

उत्पत्ति 43:14

इस्राएल ने यात्रा के सम्बन्ध में परमेश्वर से क्या माँगा?

इस्राएल ने परमेश्वर से प्रार्थना की कि वे मिस्र में भाइयों पर दया करें, ताकि सभी भाइयों को रिहा किया जा सके।

उत्पत्ति 43:18

जब भाइयों को यूसुफ के घर को पहुँचाए गए, तो उन्होंने क्या किया और क्यों?

पहले सफर में उनके बोरों में छोड़े गए रुपया के कारण, भाइयों को यह डर था कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा और दास बना लिया जाएगा।

उत्पत्ति 43:21–22

भाइयों ने यूसुफ के घर के अधिकारी से क्या कहा था?

भाइयों ने घर के अधिकारी से कहा कि वे अपने बोरों में छोड़े गया रुपया और भोजनवस्तु मोल लेने के लिए दूसरा रुपया वापस लाए हैं।

उत्पत्ति 43:23

अधिकारी के अनुसार उनके बोरों में छोड़े गए धन वह कहाँ से आया था?

अधिकारी ने कहा कि उनके बोरों में छोड़े गए धन उनके परमेश्वर से आए थे।

उत्पत्ति 43:26

जब यूसुफ घर आए तो भाइयों ने क्या किया?

भाइयों ने भेंट घर में लाए और यूसुफ के सामने भूमि पर गिरकर उसको दण्डवत् किया।

उत्पत्ति 43:27

यूसुफ ने भाइयों से किसके विषय में पूछा?

यूसुफ ने भाइयों से उनके पिता की कुशल के बारे में पूछा।

उत्पत्ति 43:30

यूसुफ अपनी कोठरी में जाने के लिए इतनी जल्दी में क्यों थे, और बाहर जाने के बाद उन्होंने क्या किया?

यूसुफ तुरन्त अपनी कोठरी के लिए निकल गए क्योंकि वे बिन्यामीन के स्नेह से मन भर आया, और अपनी कोठरी में गए और रोने लगे।

उत्पत्ति 43:32

मिस्री और इब्रियों ने अलग-अलग भोजन क्यों किया?

मिस्रियों के लिए इब्रियों के साथ भोजन करना घृणित समझा जाता था।

उत्पत्ति 43:33

भाइयों को मेज पर कैसे बैठाया गया था?

भाइयों को बड़े-बड़े पहले, और छोटे-छोटे पीछे, अपनी-अपनी अवस्था के अनुसार बैठाया गया था।

उत्पत्ति 43:34

भाइयों को मिले भोजनवस्तु के हिस्सों में क्या विशेष था?

बिन्यामीन को अपने भाइयों से पाँचगुना भोजनवस्तु मिली।

उत्पत्ति 44:1–2

यूसुफ ने अपने घर के अधिकारी से भाइयों की बोरों के साथ क्या करने के लिए कहा था इससे पहले कि वे जाएं?

यूसुफ ने अपने घर के अधिकारी से कहा कि भाइयों की बोरों को भोजनवस्तु से भर दो, उनके रुपये को उनके बोरे के मुँह पर रख दो, और सबसे छोटे भाई के बोरे के मुँह पर यूसुफ के चाँदी का कटोरा अन्न के रुपये के साथ रख दो।

उत्पत्ति 44:4–5

मूल रूप से, यूसुफ ने घर के अधिकारी से भाइयों से क्या कहने के लिए कहा जब उसने उन्हें नगर के बाहर पकड़ा?

यूसुफ ने घर के अधिकारी से कहा कि वे उनसे पूछें कि उन्होंने भलाई के बदले बुराई क्यों किया और उन पर यूसुफ का कटोरा चुराने का आरोप लगाएं।

उत्पत्ति 44:9

भाइयों ने शपथ खाई कि अगर उनमें से किसी ने यूसुफ का कटोरा चुराया होता, तो वे क्या करेंगे?

भाइयों ने कहा कि जिसके पास कटोरा मिलेगा, वह मार डाला जाए, और बाकी दास बन जाएंगे।

उत्पत्ति 44:10

यदि कटोरा चोरी हो गया, तो घर के अधिकारी ने कहा कि उसे कौन सा दण्ड मिलना चाहिए?

घर के अधिकारी ने कहा कि जिसके पास कटोरा पाया जाएगा, वह उसका दास होगा, और बाकी निर्दोष ठहरोगे।

उत्पत्ति 44:12–13

घर के अधिकारी को क्या प्राप्त हुआ, और भाइयों ने कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की?

घर के अधिकारी ने कटोरा बिन्यामीन के बोरे में पाया, और भाइयों ने अपने-अपने वस्त्र फाड़ दिए।

उत्पत्ति 44:14

जब भाई यूसुफ के घर लौटे, तो उन्होंने क्या किया?

भाइयों ने यूसुफ के सामने भूमि पर गिरे।

उत्पत्ति 44:16

यहूदा ने कहा कि भाइयों के अधर्म को किसने पकड़ लिया?

यहूदा ने कहा कि परमेश्वर ने भाइयों के अधर्म को पकड़ लिया है।

उत्पत्ति 44:16 (#2)

यहूदा ने कहा कि अब सभी भाई क्या बन जाएंगे?

यहूदा ने कहा कि अब सभी भाई यूसुफ के दास बन जाएंगे।

उत्पत्ति 44:17

यूसुफ ने भाइयों के लिए किस दण्ड की माँग की?

यूसुफ ने कहा कि वह जन जिसके पास कटोरा निकला है, वही हमारा दास होगा, और बाकी लोग कुशल क्षेम से जा सकते हैं।

उत्पत्ति 44:20

यहूदा ने क्या कारण दिए कि उनके पिता सबसे छोटे भाई से इतना प्रेम क्यों करते थे?

यहूदा ने कहा कि सबसे छोटे भाई उनके बूढ़ा पिता के बुढ़ापे का बालक था, और उनकी माता का अकेला शेष सन्तान था।

उत्पत्ति 44:22

भाइयों को चिंता थी कि यदि सबसे छोटा भाई अपने पिता को छोड़ देगा तो उनके पिता का क्या होगा?

भाइयों को चिंता थी कि अगर सबसे छोटा बेटा उन्हें छोड़कर चला गया तो उनके पिता मर जायेंगे।

उत्पत्ति 44:23

यहूदा ने क्यों कहा कि भाइयों को बिन्यामीन को मिस्र लाने के लिए विवश किया गया था?

यहूदा ने कहा कि उन्हें बिन्यामीन को लाने के लिए मजबूर किया गया था क्योंकि यूसुफ ने कहा था कि जब तक सबसे छोटा भाई नहीं आएगा, वे यूसुफ के सम्मुख फिर न आने पाएंगे।

उत्पत्ति 44:26

यहूदा ने अपने पिता को यह क्यों बताया कि भाइयों को मजबूरन बिन्यामीन को अपने साथ मिस्र ले जाना पड़ा?

यहूदा ने अपने पिता से कहा कि वे बिन्यामीन को लाने के लिए मजबूर थे क्योंकि यूसुफ ने कहा था कि जब तक सबसे छोटा भाई नहीं आएगा, वे यूसुफ के सम्मुख फिर न आने पाएंगे।

उत्पत्ति 44:28

इस्राएल ने क्या सोचा कि यूसुफ के साथ क्या हुआ था?

इस्राएल ने सोचा कि निश्चित रूप से यूसुफ को फाड़ डाला गया होगा।

उत्पत्ति 44:29

इस्राएल ने कहा कि यदि बिन्यामीन को उनसे ले जाया गया तो उनके साथ क्या होगा?

इस्राएल ने कहा कि उनके भाई उनके बुढ़ापे की अवस्था में शोक के साथ अधोलोक में ले जाएंगे।

उत्पत्ति 44:31

यहूदा ने कहा कि यदि वे बिना बिन्यामीन के लौटे तो उनके पिता के साथ क्या होगा?

यहूदा ने कहा कि उनके पिता मर जाएगा।

उत्पत्ति 44:32

यहूदा ने कहा कि वह बिन्यामीन के लिए क्या जामिन हुआ?

यहूदा ने कहा कि यदि वे बिन्यामीन को अपने पिता के पास वापस नहीं लाए, तो वे हमेशा के लिए अपराधी ठहरेंगे।

उत्पत्ति 44:33

यहूदा ने यूसुफ से क्या करने को कहा ताकि बिन्यामीन अपने पिता के पास लौट सके?

यहूदा ने यूसुफ से विनती की कि वह उसे यूसुफ का दास बना लें, ताकि बिन्यामीन अपने पिता के पास जा सकें।

उत्पत्ति 45:1–2

यूसुफ ने क्या किया जब उसने अपने भाइयों पर अपने आप को प्रगट किया और मिस्रियों ने क्या सुना?

यूसुफ ने चिल्ला चिल्लाकर रोते हुए अपने भाइयों के सामने अपने को प्रगट किया।

उत्पत्ति 45:3

जब यूसुफ ने अपने भाइयों के सामने अपनी पहचान प्रगट की, तो भाइयों की प्रतिक्रिया कैसी थी?

उनके भाई यूसुफ को उत्तर नहीं दे पाए, क्योंकि वे घबरा गए थे।

उत्पत्ति 45:7

यूसुफ के अनुसार, परमेश्वर ने उन्हें मिस्र क्यों भेजा?

परमेश्वर ने यूसुफ को मिस्र भेजा ताकि वे पृथ्वी पर जीवित रह सके, और उनके प्राणों के बचने से उनका वंश बढ़े।

उत्पत्ति 45:8

परमेश्वर ने यूसुफ को मिस्र की भूमि में क्या ठहराया?

परमेश्वर ने यूसुफ को फ़िरौन का पिता, फ़िरौन के सारे घर का स्वामी, और सारे मिस्र देश का प्रभु ठहराया।

उत्पत्ति 45:9–11

यूसुफ ने अपने परिवार की पालन-पोषण करने की योजना कैसे बनाई?

यूसुफ ने अपने परिवार से कहा कि वे गोशेन देश में आकर निवास करें, जहाँ वह उनकी पालन-पोषण करेंगे।

उत्पत्ति 45:13

यूसुफ ने अपने भाइयों से तुरन्त क्या करने के लिए कहा?

यूसुफ ने अपने भाइयों से कहा कि वे तुरन्त अपने पिता को मिस्र ले आएं।

उत्पत्ति 45:16–18

जब फ़िरौन ने सुना कि यूसुफ के भाई मिस्र आए हैं, तो उन्होंने कैसे प्रतिक्रिया दी?

फ़िरौन अत्यंत प्रसन्न थे, और उन्होंने यूसुफ से कहा कि वे अपने भाइयों से कहें कि वे अपने पिता और अपने-अपने घर के लोगों को लेकर मिस्र की अच्छे से अच्छा भूमि में रहने के लिए लाएँ।

उत्पत्ति 45:21–23

मार्ग के लिए अतिरिक्त भोजन-सामग्री और अच्छी वस्तुएं किसे प्राप्त हुए?

बिन्यामीन को तीन सौ रूपे के टुकड़े और पाँच जोड़े वस्त्र मिले, और इस्राएल को बीस लदे हुए गधे प्राप्त हुए।

उत्पत्ति 45:26

जब इस्राएल ने सुना कि यूसुफ जीवित हैं और मिस्र की सारी भूमि पर प्रभुता करता हैं, तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी?

इस्राएल उन पर विश्वास न किया, और वह अपने आपे में न रहा।

उत्पत्ति 45:28

इस्राएल ने कहा कि वे मृत्यु से पहले क्या करना चाहते थे?

इस्राएल ने कहा कि वे मृत्यु से पहले यूसुफ को देखना चाहते थे।

उत्पत्ति 46:1

इस्राएल ने बेर्शेबा में क्या किया?

इस्राएल ने अपने पिता इसहाक के परमेश्वर को बलिदान चढ़ाया।

उत्पत्ति 46:3–4

परमेश्वर ने बेर्शेबा में इस्राएल से कौन-कौन से वादे किए?

परमेश्वर ने इस्राएल को एक बड़ी जाति बनाने का, इस्राएल के साथ मिस्र जाने का, इस्राएल को फिर से मिस्र से बाहर लाने का, और यूसुफ अपने हाथ से उनके आँखों को बन्द करने का वादा किया।

उत्पत्ति 46:5–7

इस्राएल के साथ मिस्र कौन-कौन गए?

इस्राएल अपने वंश भर को अपने संग मिस्र में ले आए।

उत्पत्ति 46:12

यहूदा के कौन से दो पुत्र कनान की भूमि में मर गए थे?

एर और ओनान कनान देश में मर गए थे।

उत्पत्ति 46:27

याकूब के घराने के कितने प्राणी मिस्र गए?

याकूब के परिवार के सत्तर प्राणी मिस्र गए।

उत्पत्ति 46:29

यूसुफ ने अपने पिता से भेंट करने के लिए क्या किया था?

यूसुफ अपने रथ जुतवाकर अपने पिता इस्राएल से भेंट करने के लिए गोशेन देश को गए।

उत्पत्ति 46:29 (#2)

यूसुफ ने अपने पिता को देखकर क्या किया?

यूसुफ ने अपने पिता के गले से लिपटे, और कुछ देर तक उनके गले से लिपटे हुए रोते रहे।

उत्पत्ति 46:34

यूसुफ ने भाइयों को अपने पेशे के विषय में फिरौन से क्या कहने को कहा?

भाइयों को फ़िरौन से कहना था कि वे अपनी लड़कपन से लेकर आज तक पशुओं को पालते आए हैं।

उत्पत्ति 47:3

यूसुफ के पाँच भाइयों ने फिरौन को अपना उद्यम क्या बताया?

पाँच भाइयों ने फ़िरौन को बताया कि उनका उद्यम चरवाहों का था।

उत्पत्ति 47:4

भाइयों ने कहा कि वे मिस्र की भूमि में किस प्रकार के निवासी थे?

भाइयों ने कहा कि वे मिस्र की भूमि में परदेशी की भाँति हैं।

उत्पत्ति 47:6

फ़िरौन ने यूसुफ से उनके परिवार के साथ क्या करने के लिए कहा?

फ़िरौन ने यूसुफ से कहा कि वह यूसुफ के परिवार को सबसे सबसे अच्छा भाग, गोशेन देश में बसाए, और सबसे परिश्रमी पुरुष को उनके पशुओं के अधिकारी बनाए।

उत्पत्ति 47:7

जब याकूब फ़िरौन से मिले, तो उन्होंने उसके लिए क्या किया?

याकूब ने फ़िरौन से मिलकर उसे आशीर्वाद दिया।

उत्पत्ति 47:9

याकूब की उम्र कितनी थी जब वह फ़िरौन से मिले?

याकूब एक सौ तीस वर्ष के उम्र के थे।

उत्पत्ति 47:9 (#2)

याकूब ने कहा कि उनका जीवन उनके बापदादे की तुलना में कितना लंबा था?

याकूब ने कहा कि उनका जीवन उनके बापदादे के जीवन जितना लंबा नहीं था।

उत्पत्ति 47:10

जब याकूब फ़िरौन के सम्मुख से चले गए, तो उन्होंने फ़िरौन के लिए क्या किया?

याकूब ने फ़िरौन को आशीर्वाद देकर उसके सम्मुख से चला गए।

उत्पत्ति 47:14

अन्न के बदले यूसुफ क्या करने में सक्षम थे?

यूसुफ मिस्र और कनान की भूमि में सभी रुपया इकट्ठा करने में सक्षम थे।

उत्पत्ति 47:16–17

मिस्रियों के साथ भोजन का आदान-प्रदान करके यूसुफ क्या करने में सक्षम थे?

यूसुफ मिस्रवासियों के सभी पशुओं के बदले भोजन का आदान-प्रदान करने में सक्षम थे।

उत्पत्ति 47:18–19

जब रुपये-पैसे और पशुधन सब फ़िरौन को भोजन के बदले दे दिए गए, तो मिस्र के लोगों ने भोजन के बदले फ़िरौन को और क्या प्रस्तुत किया?

मिस्र के लोगों ने अधिक भोजन के बदले अपनी भूमि और स्वयं को फ़िरौन के दास के रूप में प्रस्तुत किया।

उत्पत्ति 47:24

जो कुछ उपजे उसका कौन सा हिस्सा यूसुफ ने फ़िरौन को देने की माँग की?

यूसुफ ने फ़िरौन से उपज का पंचमांश देने का अनुरोध किया।

उत्पत्ति 47:27

इस्राएली ने मिस्र की भूमि में किस प्रकार समृद्धि प्राप्त की?

इस्राएली मिस्र के गोशेन प्रदेश में रहने लगे; और वहाँ की भूमि उनके वश में थी, और वे फूले-फले, और अत्यन्त बढ़ गए।

उत्पत्ति 47:28

याकूब की मृत्यु किस उम्र में हुई?

याकूब की मृत्यु एक सौ सैंतालीस वर्ष की उम्र में हुई।

उत्पत्ति 47:30

इस्राएल ने यूसुफ से कौन सी वचन देने के लिए कहा?

इस्राएल ने यूसुफ से वचन देने के लिए कहा कि वह इस्राएल को उनके बापदादों के संग उन्हीं के कब्रिस्तान में दफनाएंगे।

उत्पत्ति 48:1

यूसुफ ने अपने पिता के बारे में क्या समाचार सुना, और फिर उन्होंने क्या किया?

यूसुफ ने सुना कि उनके पिता बीमार हैं, इसलिए वे अपने दोनों पुत्रों को संग ले गए।

उत्पत्ति 48:4

याकूब ने यूसुफ को परमेश्वर की कौन-कौन सी प्रतिज्ञाएँ स्मरण कराईं?

याकूब ने स्मरण कराईं कि परमेश्वर ने उनसे वादा किया था कि वे फलवन्त होंगे और उनकी संतान बढ़ेगी, वे राज्य-राज्य की मण्डली का मूल बनेंगे, और कनान की भूमि उनके वंशजों की एक सनातन निज भूमि होगी।

उत्पत्ति 48:5–6

याकूब ने कहा कि वह यूसुफ के दोनों पुत्रों को अपनी वंश में कैसे गिने जाएँगे?

याकूब ने कहा कि वह यूसुफ के दोनों पुत्रों को अपने पुत्रों के रूप में मानेंगे।

उत्पत्ति 48:8–10

इस्राएल ने यूसुफ के दोनों पुत्रों को क्यों नहीं पहचाना?

इस्राएल ने यूसुफ के दोनों पुत्रों को नहीं पहचाना क्योंकि उनकी बुढ़ापे के कारण उनकी आँखें धुन्धली हो गई थीं।

उत्पत्ति 48:14

यूसुफ के बेटों में से जेठा कौन था?

मनश्शे यूसुफ के पुत्रों में से जेठा थे।

उत्पत्ति 48:14 (#2)

इस्राएल ने अपना दाहिना हाथ किस पर रखा और बायाँ हाथ किस पर रखा?

इस्राएल ने अपना दाहिना हाथ एप्रैम पर रखा और बायाँ हाथ मनश्शे पर रखा।

उत्पत्ति 48:17–18

यूसुफ ने इस्राएल के हाथों की स्थिति बदलने को क्यों पकड़ा?

यूसुफ को उम्मीद थी कि इस्राएल का दाहिना हाथ मनश्शे पर होगा क्योंकि वह जेठा था।

उत्पत्ति 48:19

इस्राएल ने यूसुफ के दोनों पुत्रों पर अपने हाथों की स्थिति बदलने से क्यों इनकार किया?

इस्राएल ने मना कर दिया क्योंकि छोटा भाई जेठे से अधिक महान होगा।

उत्पत्ति 48:20

इस्राएल ने कहा कि इस्राएली लोग क्या आशीर्वाद दिया करेंगे?

इस्राएल ने कहा कि 'परमेश्वर तुझे एप्रैम और मनश्शे के समान बना दे,' कहकर इस्राएली लोग आशीर्वाद दिया करेंगे।

उत्पत्ति 48:21

इस्राएल ने क्या कहा कि यूसुफ के साथ क्या होगा?

इस्राएल ने कहा कि यूसुफ को उनके पितरों के देश में वापस पहुँचाया जाएगा।

उत्पत्ति 49:1

याकूब ने अपने पुत्रों को किस कारण बुलाया?

याकूब ने अपने पुत्रों को बुलाया ताकि वे उन्हें बता सकें कि अन्त के दिनों में उनके और उनके वंशजों के साथ क्या-क्या बीतेगा।

उत्पत्ति 49:3

रूबेन में कौन-से सकारात्मक गुण थे?

रूबेन प्रतिष्ठा और शक्ति में श्रेष्ठ था।

उत्पत्ति 49:4

रूबेन को श्रेष्ठता क्यों नहीं मिली, भले ही वह पहलौठे थे?

रूबेन को श्रेष्ठता नहीं मिलती क्योंकि उन्होंने अपने पिता के खाट को अशुद्ध किया था।

उत्पत्ति 49:7

याकूब ने शिमोन और लेवी के बारे का क्या धिक्कारा?

याकूब ने शिमोन और लेवी के कोप और निर्दय रोष को धिक्कारा।

उत्पत्ति 49:8

याकूब ने कहा कि उनके भाई यहूदा के सामने क्या करेंगे?

याकूब ने कहा कि यहूदा के भाई उनके सामने दण्डवत् करेंगे।

उत्पत्ति 49:10

यहूदा से भविष्य के बारे में कौन-कौन से वादे किए गए थे?

यहूदा से वादा किया गया था कि राजदण्ड उससे तब तक नहीं छूटेगा जब तक शीलो न आए, और राज्य-राज्य के लोग उसके अधीन हो जाएँगे।

उत्पत्ति 49:13

याकूब ने कहा कि जबूलून के वंशज कहाँ निवास करेंगे?

याकूब ने कहा कि जबूलून के वंशज समुद्र तट में निवास करेंगे।

उत्पत्ति 49:17

याकूब ने कहा कि दान किस जानवर जैसा होगा?

याकूब ने कहा कि दानमार्ग में का एक साँप के समान होगा।

उत्पत्ति 49:20

याकूब ने कहा कि आशेर को किसके लिए जाना जाएगा?

याकूब ने कहा कि आशेर स्वादिष्ट भोजन के लिए प्रसिद्ध होगा।

उत्पत्ति 49:22

याकूब ने कहा कि यूसुफ किस प्रकार के लता के समान होंगे?

याकूब ने कहा कि यूसुफ एक फलवन्त लता के समान होगा जिसकी डालियाँ दीवार पर से चढ़कर फैल जाती हैं।

उत्पत्ति 49:24

याकूब ने कहा कि यूसुफ का धनुष कौन दृढ़ करेंगे और उसके हाथों को कौन फुर्तीले बनाएंगे?

याकूब ने कहा कि इस्राएल की चट्टान, याकूब के उसी शक्तिमान परमेश्वर के हाथों के द्वारा, यूसुफ के धनुष को दृढ़ करेंगे और उनके हाथों को फुर्तीले बनाएंगे।

उत्पत्ति 49:31

उस स्थान पर पहले से किसको मिट्टी दी गई थी जहाँ याकूब दफन होना चाहते थे?

अब्राहम, सारा, इसहाक, रिबका, और लिआ को पहले से ही वहाँ मिट्टी दी गई।

उत्पत्ति 49:33

याकूब ने अपने पुत्रों को आशीर्वाद और आज्ञा देने के बाद क्या किया?

याकूब अपने अंतिम प्राण छोड़े अपने लोगों में जा मिले।

उत्पत्ति 50:2-3

इस्राएल की मृत्यु के बाद यूसुफ ने इस्राएल के शव के साथ क्या किया?

यूसुफ ने इस्राएल के शव में सुगन्ध-द्रव्य भरे।

उत्पत्ति 50:4-6

यूसुफ ने अपने पिता के दफ़न के बारे में फ़िरौन से क्या विनती किया, और उसने यह विनती क्यों किया?

यूसुफ ने अपने पिता को मिट्टी देंने के लिए कनान देश में जाने की अनुमति माँगी, क्योंकि उनके पिता ने उन्हें शपथ खिलाई थी।

उत्पत्ति 50:7-9

यूसुफ के साथ इस्राएल को मिट्टी देने के लिए कौन-कौन गए?

फिरौन के सब कर्मचारी, उनके भवन के पुरनिये, मिस्र देश के सब पुरनिये, यूसुफ के घर के सब लोग, यूसुफ के भाई, उनके पिता के घर के सब लोग, और रथ और घुड़सवार यूसुफ के साथ गए।

उत्पत्ति 50:11

जब कनानियों ने यूसुफ और उनके साथियों को देखा, तो उन्होंने क्या कहा?

कनानियों ने कहा कि यह मिस्रियों का कोई भारी विलाप होगा।

उत्पत्ति 50:14

यूसुफ और उनके भाई अपने पिता को मिट्टी देने के बाद कहाँ गए?

यूसुफ और उनके भाई मिस्र वापस लौट आए।

उत्पत्ति 50:15

इस्राएल की मृत्यु के बाद यूसुफ के भाइयों को किस बात की चिंता थी?

यूसुफ के भाई चिंतित थे कि यूसुफ उन सभी बुराई के लिए उन्हें बदला देंगे जो भाइयों ने यूसुफ के साथ किए थे।

उत्पत्ति 50:17

भाइयों ने यूसुफ से उनके द्वारा यूसुफ के खिलाफ की गई अपराध के लिए क्या करने का विनती किया?

भाइयों ने यूसुफ से उनके विरुद्ध की गई अपराध के लिए क्षमा माँगने का विनती किया।

उत्पत्ति 50:18

जब यूसुफ के भाई यूसुफ के पास आए, तब उन्होंने क्या किया?

जब वे यूसुफ के पास आए, तब यूसुफ के भाई उनके सामने गिर पड़े।

उत्पत्ति 50:20

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर ने उनके भाइयों केबुराई का विचार के माध्यम से कौन सा भलाई का विचार किया था?

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर ने बहुत से लोगों के प्राण बचाने के लिए भलाई का विचार की है।

उत्पत्ति 50:22

यूसुफ कितने वर्ष तक जीवित रहे थे?

यूसुफ एक सौ दस वर्षों तक जीवित रहे।

उत्पत्ति 50:24

यूसुफ ने क्या कहा कि उनके साथ क्या होने वाला है?

यूसुफ ने कहा कि वह मरने वाले थे।

उत्पत्ति 50:24 (#2)

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर इस्राएल के वंशजों के लिए कौन सा वादा पूरा करेंगे?

यूसुफ ने कहा कि परमेश्वर लोगों की सुधि लेंगे और उन्हें इस देश से निकालकर उस देश में पहुँचाएंगे जिसको देने की परमेश्वर ने अब्राहम, इसहाक, और याकूब से शपथ खाई थी।

उत्पत्ति 50:25

यूसुफ ने इस्राएलियों से कौन सी शपथ खिलाई?

यूसुफ ने उन्हें शपथ खिलाई कि जब वे मिस्र छोड़ेंगे, तो वे यूसुफ की हड्डियाँ मिस्र से ले जाएँगे।

उत्पत्ति 50:26

यूसुफ के शव का क्या हुआ जब उनकी मृत्यु हो गई?

यूसुफ के शव में सुगन्ध-द्रव्य भरे गए और मिस्र में एक शवपेटी में रखा गया।